वर्ष : 33 | अंक : 232 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, शुक्रवार, 8 नवंबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

DBD

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

आज होगी पीएम नरेंद्र मोदी की पहली चुनावी रैली

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

भारी वाहनों के लिए डायवर्ट किया गया रूट

प्रधानमंत्री की सभा के कारण यातायात में असुविधा न हो इसके लिए 8 नवंबर को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे के बीच साक्री, मालेगांव, चालीसगांव और सोनगीर से आने वाले भारी वाहनों को मुंबई-आग्रा महामार्ग से पारोला चौफुली होकर गिंदोडिया चौक, ऐशी फुटी रोड, तिरंगा चौक और संत कबीर की प्रतिमा के पास से शहर की ओर डायवर्ट किया गया है।

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/धुलिया

विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महाराष्ट्र में पहली चुनावी रैली आज धुलिया शहर के गोशाला मैदान में होगी। धुलिया जिले के 5 और मालेगांव बाहरी निर्वाचन क्षेत्र के एक उम्मीदवार के समर्थन में बीजेपी के स्टार प्रचारक पीएम मोदी धुलिया आएंगे।

प्रधानमंत्री की रैली को लेकर यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। रैली को लेकर मंच के पीछे तीन हैलीपैड बनाए गए हैं। इसके साथ ही सभा स्थल के क्षेत्र को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है और बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के ड्रोन उड़ाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिलाधिकारी जितेंद्र पापलकर ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

पीएम मोदी 9 नवंबर को दो रैली करेंगे

इसके अगले दिन 9 नवंबर को पीएम मोदी की अकोला में जनसभा होगी। यह रैली दोपहर 12 बजे होगी। इसके बाद वह दोपहर दो बजे नांदेड़ में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान बीजेपी के सभी सीनियर नेताओं के रहने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि पीएम मोदी की रैली में सीएम एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 12 नवंबर को महाराष्ट्र में तीन रैलियां करेंगे। वह चिमूर और सोलापुर में जहां जनसभा करेंगे वहीं पुणे में रोड शो करेंगे। वहीं, 14 नवंबर को पीएम मोदी संभाजी नगर, रायगढ़ और मुंबई में जनसभाएं करेंगे।

शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी

रायपुर से धमकी भरा फोन आया

दर्ज हुआ केस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

सलमान खान के बाद अब शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी मिली है। मोबाइल पर धमकी मिलने के बाद शाहरुख की टीम ने शिकायत दर्ज करवाई है। मुंबई पुलिस ने शिकायत मिलते ही मामले की जांच शुरू कर दी है। धमकी मिलने के बाद शाहरुख के घर मन्नत के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अज्ञात के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (BNS) की धारा 308 (4), 351 (3)(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जिस नंबर से धमकी दी गई है, वह छत्तीसगढ़ के फैजान नाम के शख्स के नाम पर रजिस्टर्ड है।

मुंबई पुलिस रायपुर पहुंची

नंबर ट्रेस होते ही मुंबई पुलिस रायपुर पहुंच गई है। मामला 5 नवंबर का बताया जा रहा है। DCP के अनुसार, बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात कॉलर का कॉल आया था। इसमें धमकी देते हुए कॉलर ने कहा, बैंड स्टैंड वाले शाहरुख खान को मार दूंगा। अगर मुझे 50 लाख नहीं दिए गए तो शाहरुख खान को जान से मार दूंगा। जब कॉलर से उसका नाम पूछा गया तो जवाब मिला, मेरे लिए ये मैटर नहीं करता, मेरा नाम हिंदुस्तानी है। साल 2023 में भी शाहरुख खान को पठान और जवान फिल्म की कामयाबी के बाद लगातार धमकियां मिली थीं। मामले की शिकायत दर्ज होने पर सुरक्षा के मद्देनजर उन्हें Y प्लस सिक्योरिटी दी गई थी। तभी से शाहरुख खान हर जगह कड़ी सिक्योरिटी में जाते हैं।

संविधान पर छिड़ा संग्राम

- शहरी नक्सलियों के समर्थन के लिए राहुल गांधी दिखाते है लाल किताब: फडणवीस
- फडणवीस के दावे पर भड़की कांग्रेस, कहा- जनता चुनाव में BJP को करारा जवाब देगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कांग्रेस ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के राहुल गांधी पर हमले के बाद बृहस्पतिवार को उन पर पलटवार किया और दावा किया कि वह हताश हैं और उस पुस्तक पर आपत्ति जता रहे हैं जिसके मुख्य शिल्पकार बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि फडणवीस हताश हो रहे हैं। साथ ही कहा कि उन्हें (फडणवीस को) पहले सोचना चाहिए और फिर बोलना चाहिए।

फडणवीस ने संविधान और बाबासाहेब का अपमान किया : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर बृहस्पतिवार को पलटवार किया और कहा कि उन्होंने संविधान के मुख्य शिल्पकार बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का अपमान किया है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी और इस चुनाव में करारा जवाब देगी।

क्या कहा था डिप्टी सीएम फडणवीस ने?

डिप्टी सीएम फडणवीस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने हाथ में 'लाल किताब' लेकर 'शहरी नक्सलियों और अराजक तत्वों' से समर्थन लेने की कोशिश कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी रैलियों के दौरान लाल रंग के 'कवर' वाले संविधान के संक्षिप्त संस्करण को प्रदर्शित करते रहे हैं। बुधवार को नागपुर की अपनी यात्रा के दौरान गांधी ने एक कार्यक्रम में संविधान की इस प्रति को प्रदर्शित किया और एक बार फिर जाति जनगणना की वकालत की।

'राहुल गांधी नहीं करते संविधान का सम्मान'

- केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का कांग्रेस पर हमला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब एक पत्रकार ने संविधान को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने नागपुर में संविधान सम्मेलन किया, लेकिन वह संविधान का सम्मान नहीं करते हैं। डॉ. बाबा साहब आंबेडकर और संविधान का अपमान करने के बाद कांग्रेस को उनके बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। -पेज 3 भी देखें

उद्धव ठाकरे की पार्टी ने जारी किया घोषणा पत्र

- धारावी परियोजना करेंगे रद्द

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को अपना घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने लड़कों को मुफ्त शिक्षा, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर करने और धारावी पुनर्विकास परियोजना को रद करने का वादा किया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि अधिकांश चुनावी वादे विपक्षी महाविकास अघाड़ी (MVA) के घोषणा पत्र का हिस्सा हैं लेकिन कुछ बिंदु ऐसे हैं, जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

लड़कियों की तर्ज पर लड़कों को मुफ्त शिक्षा

उद्धव ने कहा कि विपक्षी गठबंधन एमवीए जल्द अपना घोषणा पत्र जारी करेगा। इस गठबंधन में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी (SP) शामिल हैं। 20 नवंबर को महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक साथ मतदान है। 23 नवंबर को मतगणना होगी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि जिस तरह से महाराष्ट्र में छात्राओं को सरकारी नीति के तहत मुफ्त शिक्षा मिल रही है। अगर एमवीए सत्ता में आई तो लड़कों को भी मुफ्त शिक्षा मिलेगी। उद्धव ने कहा कि धारावी पुनर्विकास परियोजना को रद्द कर दिया जाएगा, क्योंकि इस परियोजना का मुंबई पर असर पड़ेगा।

देश भर में छठ व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य

मुंबई से पटना तक घाटों पर दिखा आस्था का 'ज्वार'

आज उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का होगा समापन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/पटना

देश के अलग-अलग हिस्सों में आज छठ महापर्व के तहत तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इस दौरान अलग-अलग हिस्सों में घाटों पर शानदार नजारा देखने को मिला। मुंबई, गुवाहाटी, कोलकाता, भागलपुर, पटना, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, दिल्ली, पंजाब, हैदराबाद, चेन्नई समेत देश के तमाम बड़े शहरों में आज छठ पूजा मनाया गया। आज उगते सूर्य के अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय चलने वाला यह महापर्व खत्म हो जाएगा। छठ पूजा को लेकर राष्ट्रपति प्रधानमंत्री सहित तमाम बड़े नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं भी दी थी।

कब होगा सूर्योदय

- दिल्ली में 6 बजकर 38 मिनट
- पटना में 6 बजकर 3 मिनट
- लखनऊ में 6 बजकर 16 मिनट
- वाराणसी में 6 बजकर 5 मिनट
- मुंबई में 6 बजकर 39 मिनट

छठ पूजा सूर्योदय का समय 8 नवंबर 2024

छठ महापर्व का चौथा दिन 8 नवंबर शुक्रवार को है। इस दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। छठ के आखिरी दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है। इसी के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जाएगा। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन सभी छठ व्रती व्रत का पारण करते हैं।

अजित पवार की राकांपा में अंतर्कलह

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महायुति में सबसे कमजोर माने जाने वाले अजित दादा पवार की पार्टी में जमकर कलह हो रही है। कलह इतनी बढ़ गई है कि बड़े नेता एक दूसरे का नाम प्रेसनोट से काटने पर उतारू हो गए हैं। मुंबई के गरवारे क्लब में हुए घोषणापत्र के बाद छपे प्रेसनोट से प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता का नाम काट दिया गया। सूत्रों की माने तो यह कलह अजित दादा तक पहुंच चुकी है। इसके बाद अजित दादा ने दोनों को बुलाकर समझया।

कैसे निपटेंगे अजित दादा?

प्रेसनोट से राष्ट्रीय प्रवक्ता का नाम काटा

गौरतलब है कि अजित दादा पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस की सीटों की बढ़ाने में जुटे हुए हैं, वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता आपसी लड़ाई में जुटे हुए हैं। पार्टी दफ्तर में यह लड़ाई साफ देखने को मिल रही है। यह लड़ाई इतनी बड़ी कि एक वरिष्ठ नेता ने अपने राष्ट्रीय प्रवक्ता का नाम प्रेसनोट से काट दिया। बता दें कि राष्ट्रीय प्रवक्ता मंच में बीचोबीच खड़े हैं।

दो घड़ी दोपहर

मुंबई आसपास

होटल 'सफायर इन' में देह व्यापार का भंडाफोड़

होटल पर पुलिस की छापेमारी, 14 महिलाओं को अनैतिक कार्य से कराया गया मुक्त

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर सेंट्रल पुलिस स्टेशन के हद में सफायर इन होटल में चल रहे अनैतिक धंधे पर छापा मारकर 14 पीड़ित महिलाओं को मुक्त कराया । होटल मैनेजर, दो वेटर, 23 ग्राहक और 275,000 रुपए की नकदी बरामद की है।

23 ग्राहक गिरफ्तार

हफ्ता निरोधक पथक के अधिकारियों को अपने मुखबिरों से गुप्त सूचना मिली कि उल्हासनगर 17 सेक्शन के पास सफायर इन होटल में अनैतिक व्यवसाय किये जाते हैं। मिली इस जानकरी के आधार पर पुलिस ने होटल सफायर इन पर छापा मारा।इस छापेमारी में पुलिस ने 14 महिलाओं और लड़कियों को अनैतिक कारोबार से मुक्त कराया है। जांच के मुताबिक, होटल संचालक आने वाले ग्राहकों से पैसे लेकर महिलाओं का इस्तेमाल अनैतिक कारोबार के लिए कर रहे थे।इस कार्रवाई में होटल मैनेजर, दो वेटर, 23 ग्राहक और 275,000 रुपए की नकदी जब्त की गई है।

बचाई गई 14 महिलाएं और लड़कियां विदेशी नागरिक

संदेह जताया जा रहा है कि बचाई गई 14 महिलाएं और लड़कियां विदेशी नागरिक हैं और जांच से यह संभावना सामने जताई जा रही है कि इनमें कुछ महिलाएं बांग्लादेशी हैं। स्थानीय अपराध शाखा की एक टीम ने तुरंत इन महिलाओं का सत्यापन शुरू कर दिया है और उनकी पहचान के बारे में जांच की जा रही है। संदेह जताया गया है कि अनैतिक कारोबार के लिए महिलाओं को विदेशों से लाने का गोरखधंधा बड़े पैमाने पर शहर में चल रहा है। होटल सफायर इन में चल रहे इस अनैतिक कारोबार को लेकर सेंट्रल पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है।सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े की देखरेख में पुलिस निरीक्षक नरेश पवार, पुलिस उपनिरीक्षक राठौड़ और उनकी जबरन वसूली निरोधक दस्ते की टीम ने इस छापेमारी को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

जोड़े जोड़े फलवा सुरुज देव, घटवा पे तीवई चढावले हो

छठ पर्व पर भगवान सूर्य को व्रतधारियों ने दिया अर्घ्य

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा की ओर से शहर में सभी घाटों पर छठ व्रतधारियों को भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए उचित व्यवस्था किया गया है। यह पूर्वांचल का आस्था का बड़ा पर्व है। वहीं राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विधानसभा चुनाव क्षेत्र कोपरी पाचपखाड़ी में स्थित रायलादेवी तालाब छठ पूजा सेवा समिति के संयोजक अध्यक्ष कुलदीप तिवारी की ओर से कई सालों से शाम को भजन संध्या का कार्यक्रम किया जाता है। इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का रहता है और वह स्वयं उपस्थित होकर पूजा अर्चना व व्रतधारियों का आशीर्वाद लेते हैं। घाट पर टेंट, लाइट्स, साफ़-सफ़ाई, सुरक्षा आदि सभी चीजों का इंतजाम किया गया है। तालाब के दूसरी छोर पर पूर्वांचल एकता समिति छठ महोत्सव की ओर से महाआरती व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

मुख्यमंत्री की पत्नी ने छठ व्रतधारियों से आशीर्वाद लिया

मुख्यमंत्री शिंदे के निर्देशानुसार, घाट पर पूर्व नगरसेक राम रेपाले, एकनाथ भोईर आदि पूर्व नगर सेवकों का विशेष ध्यान व सहयोग रहता है। बड़ी संख्या में डूबते हुए सूर्य को छठ व्रतधारीयों ने दिया अर्घ्य। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की पत्नी लता एकनाथ शिंदे सम्मलित होकर छठ व्रतधारियों से आशीर्वाद लिया।शहर में कोलशेत खाड़ी घाट, उपवन तालाब घाट, मासुंदा तालाब घाट, कलवा पूर्व में मोफतलाल तालाब घाट पर कार्यक्रम किया जाता है। छठ माता पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष संजय (पप्पू) सिंह व रवि सिंह की ओर से कोलशेत घाट पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है इस कार्यक्रम के संयोजक पूर्व नगरसेवक संजय देवराम भोईर है। वहीं कलवा पूर्व में शांतिनगर, मोफतलाल तालाब पर पूर्वांचल फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम किया जाता है।

कुमार आयलानी के पक्ष में पंकजा मुंडे ने सभा को किया संबोधित

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

विधानसभा चुनाव के निमित्त उल्हासनगर भाजपा के उम्मीदवार कुमार आयलानी के पक्ष में भाजपा की राष्ट्रीय सचिव पंकजा मुंडे गुरुवार को उल्हासनगर के टाउन हॉल में पहुंची और विशाल जनसभा को संबोधित किया। पंकजा मुंडे के ओजपूर्ण भाषण से आए हुए लोगों में भाजपा के प्रति एक उत्तेजना पैदा हुई। इस अवसर पर पंकजा मुंडे ने कहा कि जब उनके पिता स्व। गोपीनाथ मुंडे पहली बार उल्हासनगर आए थे तो उन्होंने भाजपा की सरकार आने पर गुंडामुक्त शहर का संकल्प लिया था और उस पर कार्य किया जिसकी शुरुवात उल्हासनगर से ही हुई थी। कुमार आयलानी को भाजपा की तरफ से पहली बार टिकट भी गोपीनाथ मुंडे द्वारा ही दिया गया था। भारत को ऐसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में मिले है जिससे नारी शक्ति का उत्थान हुआ है और महिलाओं की स्थिति 2014 के बाद से काफी बेहतर हुई है। मोदी जी ने योजनाओं के साथ ही महिलाओं को सम्मान देने का भी काम किया है।वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस व अजीत पवार के नेतृत्व की महायुति सरकार ने राज्य के लिए अनेकों योजनाएं लाकर महाराष्ट्र के जन जन को सक्षम बनाने की दिशा में प्रयास किया है।

मटका जुगार अड्डे पर पुलिस का छापा

दो गिरफ्तार, मात्र 300 रूपये जब्त

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में विधानसभा चुनाव के समय जहां पूरे महाराष्ट्र में आचार संहिता लागू है। वहीं भिवंडी में धड़ल्ले से चल रहे अवैध जुआ अड्डे पर शहर पुलिस ने छापा मार कर दो जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शाम 6 बजे शहर पुलिस ने कनेरी इलाके स्थित सोहम अस्पताल के सामने गली में मटका जुगार का अवैध कारोबार कर रहे माशाल्ला रमजान खान 32 वर्ष और राम पांडुरंग अडसूल 40 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से पुलिस ने हुआ की रकम 300 रूपये भी जब्त कर लिया है। पकड़े गए दोनों जुआरियों के खिलाफ पुलिस ने महाराष्ट्र जुगार प्रतिबंधक एक्ट की धारा 12(अ) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कलम 35(3) के तहत नोटिस देकर छोड़ दिया है।

एमडी तस्कर हुआ गिरफ्तार

2 लाख 50 हजार की मेफेड्रॉन बरामद

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी क्राइम ब्रांच ने कल्याण नाका स्थित संक्रादेवी मंदिर क्राइस्ट गली में एक एमडी तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से पुलिस ने 1 लाख 95 हजार रूपये कीमत की मेफ़ेड्रॉन (एमडी) बरामद किया है। न्यायालय ने आरोपी को 12 नवंबर तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है।

पुलिस के अनुसार, भिवंडी क्राइम ब्रांच यूनिट-२ के पुलिस निरीक्षक केदार धनराज को गुप्त सूचना मिली थी के कल्याण नाका के पास अधिक मात्रा में एमडी की तस्करी करने एक युवक आने वाला है। जानकारी मिलते ही वरिष्ट पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनावने के मार्गदर्शन में एपीआई श्रीराज माली, पुलिस निरीक्षक केदार धनराज, पुलिस हवलदार प्रकाश पाटील, शशिकांत यादव आदि पुलिस की टीम ने रात 9 बजे के करीब कल्याण स्थित जाल बिछाया, और तभी साक्रादेवी मंदिर के पीछे गली में आरसलान उर्फ जम्मान अब्दुल सलाम अंसारी 26 वर्ष निवासी सागर पलझा होटल के सामने नागांव रोड को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से पुलिस ने एक लाख 95 हजार रूपये कीमत की 65 ग्राम मेफ़ेड्रॉन (एमडी) व मोबाइल फोन सहित कुल 2 लाख 5000 रुपए कीमत का माल जब्त कर उक्त आरोपी के खिलाफ शहर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट 1985 की कलम 8(क), 22(क) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को भिवंडी न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां न्यायालय ने आरोपी को 5 दिनों की पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है। इस दौरान पुलिस उक्त आरोपी से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिर वह इतनी मात्रा में एमडी किसे बेचने वाला था। आगे की कार्रवाई पुलिस निरीक्षक श्रीराज माली कर रहे है।

गांजा विक्रेता गिरफ्तार

90 हजार रूपये कीमत का 3 किलो गांजा बरामद

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के शांतिनगर पुलिस ने गश्त के दौरान गांजा विक्रेता को गिरफ्तार 3 किलो गांजा बरामद किया है, जिसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है। यह जानकारी शांतिनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड ने दी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार की शाम आठ बजे के करीब पुलिस के गश्त दल ने गायत्रीनगर के न्यू आजाद नगर में बाबा होटल के पास चिश्तिया मस्जिद के बाजू में एक संदिग्ध युवक को रोक कर जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 3 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 90 हजार रूपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए युवक का नाम आरिफ अबरार अहमद सिद्दीकी 19 वर्ष है जो शांतिनगर के गौसिया मस्जिद के पास भाड़े की खोली में रहता है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की कलम 8(क), 20(ब), पप(ब) के तहत मामला दर्ज कर उसे भिवंडी न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

उम्मीदवारों के खर्च पर चुनाव आयोग की पैनी निगाह

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नासिक

राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान ने जोर पकड़ लिया है। सभी दलों के उम्मीदवार प्रचार के लिए गली-गली घूम रहे हैं और प्रत्याशियों को समर्थन देने के लिए नेताओं की जनसभाएं भी शुरू हो गई हैं। इस बीच चुनाव अधिकारियों द्वारा चुनाव प्रचार में होने वाले खर्चे को लेकर जांच भी शुरू कर दी गई है। इसके तहत उम्मीदवारों को अपने प्रचार खर्च का हिसाब देना होगा। खर्च निरीक्षकों द्वारा नासिक शहर के तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों के खर्च की जांच गुरुवार 7 नवंबर से शुरू कर दी गई । देवलाली में यह जांच शुक्रवार से शुरू होगी। इसके साथ ही नासिक मध्य, नासिक पूर्व और नासिक पश्चिम विधानसभा चुनाव क्षेत्रों में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की जांच के लिए समयबद्ध कार्यक्रम घोषित किया गया है।

चुनाव तक 3 बार देना होगा खर्च का ब्योरा

खर्च निरीक्षकों द्वारा 7, 12 और 17 नवंबर को उम्मीदवारों के खर्च की जांच की जाएगी। इसके लिए सरकारी विश्रामगृह में 2 सत्रों में सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक और दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक निरीक्षकों द्वारा यह जांच की जाएगी। देवलाली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की जांच के लिए भी समयबद्ध कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसके लिए 8, 13 और 18 नवंबर को उम्मीदवारों के खर्च की जांच की जाएगी। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे के बीच सरकारी विश्रामगृह में यह जांच होगी।

'सरकार बनी तो एक भी मस्जिद में नहीं होगा लाउडस्पीकर'

चुनाव के बीच राज ठाकरे का 'हिंदुत्व कार्ड'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में चुनाव की सरगर्मी के बीच मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने अपने आक्रामक हिंदुत्व एजेंडे के जरिए जोरदार प्रचार अभियान शुरू किया है। राज ठाकरे ने मस्जिदों के लाउडस्पीकर के मुद्दे को उठाकर सीधे अपने भाई उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने समर्थकों को आश्वासन दिया कि अगर उनकी सरकार बनी, तो राज्य की एक भी मस्जिद में लाउडस्पीकर नहीं बजेंगे। चुनावी मंचों से राज ठाकरे लगातार मस्जिदों के लाउडस्पीकर के मुद्दे पर तीखे बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में उनकी सरकार बनते ही मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों को बंद करवा दिया जाएगा। यह बयान न केवल हिंदुत्व एजेंडे को मजबूती देने के लिए है, बल्कि विपक्ष, खासकर उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी शिवसेना (यूबीटी) पर निशाना साधने का एक तरीका भी है। राज ठाकरे का कहना है कि यह मांग नई नहीं है। उन्होंने पहले भी शिवसेना और महाविकास अघाड़ी की सरकार के दौरान मस्जिदों के लाउडस्पीकरों को हटाने की मांग की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर लाउडस्पीकर नहीं हटाए गए, तो उनके समर्थक मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। उस समय उनकी इस मांग को नजरअंदाज किया गया और उनके समर्थकों पर कई मुकदमे दर्ज किए गए थे। इस बयान पर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ₹राज ठाकरे सस्ती शोहरत पाने के लिए ऐसी बातें करते हैं, लोग इतने भोले नहीं हैं कि उनकी बातों में आ जाएं।

पालघर में झगड़े के बाद पिता की हत्या करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । पालघर

जिले में झगड़े के बाद अपने पिता की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मृतक मनोर इलाके का रहने वाला था और शराब पीने के लिए अपने बेटे से पैसे मांगता था, जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। सोमवार को जब व्यक्ति ने फिर से पैसे मांगे, तो उसके बेटे ने उसे केवल 10 रुपये दिए, जिसके बाद दोनों के बीच झगड़ा हुआ। इस दौरान आरोपी ने कथित तौर पर अपने घर के पास एक खेत में अपने पिता की गला घोंटकर हत्या कर दी।

नौ हथियारों और कारतूसों के साथ आठ गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले, पुलिस ने पालघर जिले में नौ पिस्तौल जब्त की हैं और इस सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, एक अधिकारी ने बताया कि इस साल 23 जुलाई को क्राइम ब्रांच की एक टीम ने वसई कोलीवाड़ा के पास एक इमारत पर छापा मारा था। मीरा भयंदर-वसई विरार के सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल ने कहा कि एक 30 वर्षीय व्यक्ति को उसके कब्जे से एक देसी पिस्तौल और तीन जिंदा कारतूस जब्त करने के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि उस व्यक्ति से पूछताछ के बाद पुलिस सात अन्य आरोपियों तक पहुंची, जिनके पास से हाल ही में आठ देसी पिस्तौल और कई जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जिनकी कुल कीमत 3.83 लाख रुपये है। अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोग, जो आग्नेयास्त्रों की खरीद और आपूर्ति में शामिल थे, गुजरात और उत्तर प्रदेश के थे। पुलिस ने कहा कि आरोपियों पर शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अजित ने चाचा पर साथी की टिप्पणी की निंदा की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई।

अजित पवार बोले- ऐसे बयान बर्दाश्त नहीं करेंगे

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ सदाभाऊ खोठ के बयान की आलोचना की है। अजित पवार ने चेतावनी दी है कि इस तरह के बयान बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। गौरतलब है कि सदाभाऊ खोठ महायुति की सहयोगी पार्टी रायत क्रांति संगठन के नेता हैं। बयान पर विवाद बढ़ने पर सदाभाऊ खोट ने भी एक वीडियो जारी कर अपने बयान पर माफी मांगी है और कहा है कि अगर उनके बयान से किसी को ठेस पहुंची है तो वे अपना बयान वापस लेते हैं। दरअसल बुधवार को सांगली जिले में एक रैली के दौरान सदाभाऊ खोठ ने शरद पवार की सेहत को लेकर बयान दिया था। जिस रैली में खोठ ने यह बयान दिया, उसमें डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। खोठ के इस बयान के सामने आते ही एनसीपी के दोनों गुटों ने इसकी आलोचना शुरू कर दी। खोठ के बयान पर आपत्ति जताते हुए अजित पवार ने कहा कि जो भी उन्होंने (खोठ) ने कहा है कि वह बेहद निंदनीय है और इस तरह के बयानों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अजित पवार ने बयान पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि 'विनाश काले विपरीत बुद्धि'। अजित पवार ने सदाभाऊ खोठ को फोन करके भी अपनी नाराजगी जाहिर की। अजित पवार ने कहा कि 'मैंने उन्हें बताया कि पवार साहब के बारे में दिए गए आपका बयान किसी को भी सही नहीं लगा है। मैंने उन्हें बताया कि किसी पर भी निजी टिप्पणी करना सही नहीं है। साथ ही मैंने कहा कि आगे से शरद पवार या किसी भी नेता के खिलाफ इस तरह की बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। फिर चाहे वो नेता किसी भी पार्टी का क्यों न हो।' अजित पवार ने कहा कि विचारों में मतभेद हो सकता है, लेकिन अपनी बात रखते हुए एक संतुलन हमेशा रखना चाहिए।

महिला वकील-पुलिसकर्मी समेत सैंकड़ों को शादी का झांसा देकर धोखा देने वाले को नहीं मिली जमानत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने महिला वकील और पुलिसकर्मी समेत सैंकड़ों लड़कियों को शादी का झांस देकर धोखाधड़ी करने वाले कुख्यात आरोपी सचिन दिलीप सांबारे को जमानत देने से इनकार कर दिया। पीड़िता के वकील प्रशांत पांडे और वकील दिनेश जाधवानी के कड़े विरोध के बाद अदालत ने दूसरे बार अदालत आरोपी की जमानत याचिका खारिज की है। उसे नवी मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 2020 गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति मनीष पितले की एकलपीठ के समक्ष सचिन दिलीप सांबारे की ओर से वकील मंशा खेमका की दायर जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में याचिकाकर्ता के चार साल से जेल में बंद होने और निचली अदालत में मुकदमे की सुनवाई में देरी होने का हवाला देकर जमानत की मांग की गई। पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता द्वारा स्वयं सत्र न्यायालय के समक्ष अपने मामले में आगे कार्यवाही करने के लिए ईमानदारी से प्रयास नहीं किया। यदि याचिकाकर्ता स्वयं अदालत से वर्तमान जमानत आवेदन के लंबित होने के आधार पर स्थगन मांग रहा था, तो उसे पलटकर मुकदमा लंबित रहने तक लंबी कैद का लाभ लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। पीड़िता के वकील प्रशांत पांडे ने पीठ के संज्ञान में लाया गया है कि याचिकाकर्ता की ओर से सत्र न्यायालय में दाखिल किए गए डिस्चार्ज के आवेदन इसीलिए लंबित रह गया है, क्योंकि विशेष रूप से याचिकाकर्ता की ओर से न्यायालय से बार-बार स्थगन की आदेश मांग की गई। पीड़िता के वकील की दलील को स्वीकार कर आरोपी की याचिका खारिज कर दी। पालघर निवासी सचिन सांबारे जीवनसाथी डॉट कॉम और शादी डॉट कॉम जैसी वैवाहिक वेबसाइटों पर फर्जी आइडी बनाकर हाई-प्रोफाइल लड़कियों और महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था और उनसे शादी कर उनके साथ कुछ दिन रहता था।

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
दो बजे दोपहर

अजित पवार को राहत

राकांपा उम्मीदवार के नामांकन को दी गई चुनौती, कोर्ट ने खारिज की याचिका

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अजित पवार की पार्टी राकांपा को राहत देते हुए एक उम्मीदवार जिसने पार्टी उम्मीदवार यशवंत माने के नामांकन फॉर्म की स्वीकृति को चुनौती दी थी, उसने बॉम्बे हाई कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। माने महाराष्ट्र के सोलापुर जिले की मोहोल विधानसभा सीट से राकांपा के उम्मीदवार हैं। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर और न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरेसन की पीठ ने संकेत दिया कि वे याचिकाकर्ता के पक्ष में नहीं हैं, जिसके बाद अदालत ने गुरुवार को इसे वापस लेने की अनुमति दे दी। याचिकाकर्ता नागनाथ क्षीरसागर ने तर्क दिया कि कैकाडी जाति के माने, मोहोल से चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य थे क्योंकि सीट अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है। माने ने इससे पहले 2019 के विधानसभा चुनाव में राकांपा के टिकट पर सीट जीती थी। क्षीरसागर के वकील अनंत वडगांवकर ने दावा किया कि कैकाडी जाति के सदस्य महाराष्ट्र के केवल आठ जिलों में अनुसूचित जाति के रूप में योग्य हैं, लेकिन सोलापुर जिले में नहीं। माने के वकील, जगदीश रेड्डी ने तर्क दिया कि क्षीरसागर की चुनौती अमान्य थी, क्योंकि इसने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत समाधान के लिए अनुपयुक्त तथ्यात्मक विवादों को उठाया, जो मौलिक अधिकारों को लागू करता है। माने ने यह भी बताया कि इसी तरह की चुनौती को पहले 2020 में उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने खारिज कर दिया था।

नवाब मलिक के पक्ष में खुलकर उतरे अजित पवार, किया प्रचार

बीजेपी ने किया था विरोध

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की उम्मीदवारी का बीजेपी ने विरोध किया था। बीजेपी के विरोध के बावजूद नवाब मलिक मानकुर से उम्मीदवार बने हैं। उनकी बेटी सना मलिक को अणुशक्तिनगर से उम्मीदवार बनाया गया है। गुरुवार को महायुति की सहयोगी पार्टी एनसीपी के नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने नवाब मलिक और सना मलिक के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। अजित पवार के नवाब मलिक और सना मलिक के पक्ष में चुनाव प्रचार करने से महायुति की पार्टियों के बीच आपसी तालमेल को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यह सवाल किये जा रहे हैं कि अजित मलिक बीजेपी को क्या संदेश देना चाहती है? बता दें कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही नवाब मलिक को महायुति में शामिल करने के खिलाफ रहे हैं।

देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री अजित पवार को पत्र भेजकर अपना रुख जाहिर कर चुके हैं। हालांकि, अजित पवार ने मानकुर से नवाब मलिक और अणुशक्तिनगर से उनकी बेटी सना मलिक की उम्मीदवारी की घोषणा की है। अजित पवार द्वारा नवाब मलिक को टिकट दिए जाने के बाद बीजेपी नेता आशीष शेलार ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी थी।

'महाराष्ट्र की जनता को यह पसंद नहीं'

सीएम योगी के 'बटेंगे तो कटेंगे' वाले बयान पर बिफरे अजित पवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली में 'बटेंगे तो कटेंगे' का नारा दोहराने के एक दिन बाद, भाजपा के सहयोगी और राकांपा प्रमुख अजित पवार ने गुरुवार को कहा कि राज्य के लोग इस तरह की टिप्पणियों की सराहना नहीं करते हैं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने आगे कहा कि, महाराष्ट्र के लोगों ने हमेशा से सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का प्रयास किया है।

वाशिम में चुनावी रैली में सीएम योगी का बयान

20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए पूर्वी महाराष्ट्र के वाशिम में एक अभियान रैली में बोलते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, मैं छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरणा ले रहा हूं और आपसे अपील कर रहा हूं कि आप विभाजित न हों, क्योंकि जब भी हम विभाजित होते हैं, तो हम नष्ट हो जाते हैं।

महाराष्ट्र की तुलना अन्य राज्यों से न करें : अजित पवार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान को लेकर पत्रकारों की तरफ से सवाल पूछे जाने पर अजित पवार ने कहा, महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज और महात्मा फुले का है। आप महाराष्ट्र की तुलना अन्य राज्यों से न करें, महाराष्ट्र के लोगों को यह पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की शिक्षा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की थी। अपने बयान में राकांपा प्रमुख अजित पवार ने आगे कहा, जब अन्य राज्यों के लोग यहां आते हैं, तो वे अपने लोगों को ध्यान में रखते हुए बोलते हैं, लेकिन महाराष्ट्र ने कभी इसे स्वीकार नहीं किया और यह यहां के सभी चुनावों का इतिहास रहा है।

नवाब मलिक और सना के पक्ष में अजित ने किया चुनाव प्रचार

अजित पवार गुरुवार को नवाब मलिक और सना मलिक के लिए प्रचार करने अणुशक्तिनगर पहुंचे। उनके स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी गई। कई लोगों ने अजित पवार के गले में माला डालकर उनका स्वागत किया। कई लोगों ने अजित पवार पर फूल बरसाए। कई लोगों ने नारे लगाकर अजित पवार का स्वागत किया। अजित पवार, नवाब मलिक और सना मलिक एक ही कार में चुनाव प्रचार करते नजर आए। चुनाव प्रचार के दौरान नवाब मलिक ने कहा कि अजित पवार मेरे पीछे मजबूती से खड़े हैं। वे मुझ पर विश्वास करते हैं। इसलिए उन्होंने मुझे नामांकित किया। वे मेरे प्रचार के लिए आये थे। इससे अधिक कुछ नहीं हो सकता। नवाब मलिक ने कहा कि सभी लोग अजित दादा के स्वागत के लिए एकत्र हुए हैं। लोग उस साहस की सराहना करने के लिए एकत्र हुए हैं, जिसके साथ अजित दादा ने मुझे नामांकित किया।

जनता करेगी फैसला, चुनाव प्रचार के बाद बोले अजित

इस बार जब अजित पवार से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं अपनी जिम्मेदारी निभा रहा हूं। उन्होंने कहा कि मतदाता इस पर फैसला करेंगे। विधायक अबू आजमी तीन बार से यहां से प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उनके काम करते-करते जो विकास होना था वह नहीं हो सका। यहां बहुत सी कठिनाइयां हैं। यहां लोग बहुत बीमार पड़ते हैं। इसके लिए कुछ अहम फैसले लेने होंगे। नवाब मलिक को यहां प्रतिनिधित्व मिलने के बाद, हम सभी समस्याओं को दूर कर देंगे।

'राहुल गांधी नहीं करते संविधान का सम्मान'

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का कांग्रेस पर हमला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब एक पत्रकार ने संविधान को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने नागपुर में संविधान सम्मेलन किया, लेकिन वह संविधान का सम्मान नहीं करते हैं। डॉ. बाबा साहब आंबेडकर और संविधान का अपमान करने के बाद कांग्रेस को उनके बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

'कांग्रेस अध्यक्ष के शब्द से दुखी'

मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रचार करने गए किरेन रिजिजू ने मल्लिकार्जुन खरगे की पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जो शब्द कहे हैं, उनसे मैं बेहद दुखी हूं। यह आपत्तिजनक है। आज पूरी दुनिया के लोग पीएम मोदी से प्रेरणा ले रहे हैं। कल ही डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुने जाने के बाद पीएम मोदी से बात की है। मैं पूरी दृढ़ता से कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा प्रयोग किए गए शब्दों की निंदा करता हूं।

'भरोसे लायक नहीं है कांग्रेस'

किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि वह जम्मू कश्मीर में धारा 370 बहाल किया जाएगा। जबकि इसके चलते वहां आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं था। पीएम मोदी ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाई और वहां के एससी-एसटी वर्ग को आरक्षण दिया। कांग्रेस इस तरह लोगों को गुमराह नहीं कर सकती। अगर हम कांग्रेस की करनी को नहीं समझेंगे तो क्या होगा? उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगियों को सबक सिखाया जाना चाहिए।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में दो और आरोपी गिरफ्तार

SRA प्रोजेक्ट के एंगल से भी जांच कर रही पुलिस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि दोनों आरोपियों को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 18 हो गई है। इससे पहले बुधवार को भी बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था।

एसआरए प्रोजेक्ट के एंगल से कर रही जांच

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की बीती 12 अक्तूबर को उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। एनसीपी नेता की हत्या में जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का हाथ बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में पुलिस बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से नजदीकी वाले एंगल से जांच कर रही है। साथ ही स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (SRA) प्रोजेक्ट के एंगल से भी इस हत्याकांड की जांच में जुटी है।

एसआरए प्रोजेक्ट का पूरा मामला समझें

दरअसल बाबा सिद्दीकी और उनके बेटे जीशान सिद्दीकी बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स में दो झुग्गी पुनर्विकास परियोजनाओं, संत ज्ञानेश्वर नगर और भारत नगर का विरोध कर रहे थे। एसआरए प्रोजेक्ट के तहत बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स में चार हजार परिवारों को हटाकर उनकी जगह बड़ी-बड़ी रिहायशी इमारतें और एक पांच सितारा होटल बनाया जाना प्रस्तावित है। इन परिवारों को वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर मकान दिए जाने हैं। इस प्रोजेक्ट के विरोध में अधिकारियों के कामकाज में दखल देने के आरोप में जीशान सिद्दीकी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई थी। इस मामले में सिद्दीकी परिवार को धमकियां भी मिलीं थीं। पुलिस को आशंका है कि ये विवाद भी बाबा सिद्दीकी की हत्या की वजह हो सकता है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी प्रोजेक्ट से संबंधित दस्तावेज भी अथॉरिटी के अधिकारियों से मांगे हैं।

बदलाव की तलाश में महाराष्ट्र एमवीए देगा विकल्प : शरद पवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र के लोग बदलाव चाहते हैं और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के बाद उन्हें वह विकल्प देने की दिशा में काम करेगा। शरद पवार ने देश में जाति जनगणना की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मांग का भी समर्थन किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के सिलसिले में यहां अपनी जनसभाओं से पहले नागपुर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। शरद पवार ने अपने चुनाव प्रचार अभियान के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि महाराष्ट्र के लोग बदलाव चाहते हैं और हमें उनके इस विश्वास को कायम रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में काम करते हुए, मैं और मेरे सभी सहयोगी पूरे महाराष्ट्र में लोगों से संपर्क कर रहे हैं। राहुल गांधी द्वारा बुधवार को नागपुर की अपनी यात्रा के दौरान जाति आधारित जनगणना और आरक्षण को '50 प्रतिशत' के आगे ले जाने की बात पर पूछे गए सवाल शरद पवार ने अपनी पार्टी का रुख़ बताते हुए कहा कि हमारी पार्टी पिछले तीन सालों से जाति जनगणना की मांग कर रहे है। क्योंकि जाति जनगणना होने से देश के सामने वास्तविक तथ्य सामने आएंगे।

शरद पवार ने कहा, 'पहली नज़र में ऐसा लगता है कि जाति जनगणना से आरक्षण की सीमा बढ़ाने के फ़ैसले में मदद मिलेगी। जनगणना पूरी होने के बाद पूरी तस्वीर साफ़ हो जाएगी। इसके साथ ही अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी जो कह रहे हैं, अगर वैसा होता है तो आरक्षण प्रतिशत भी बढ़ाना ज़रूरी होगा।'

लॉरेंस बिश्नोई-दाऊद इब्राहिम की प्रिंट वाली टी-शर्ट बेचना पड़ा भारी

विक्रेताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दाऊद इब्राहिम और लॉरेंस बिश्नोई की प्रिंट वाली टी-शर्ट बेचने वाले विक्रेताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के खिलाफ महाराष्ट्र साइबर विभाग ने एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि हाल ही में ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर दाऊद इब्राहिम और लॉरेंस बिश्नोई की प्रिंट वाली टी-शर्ट बेचने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, फ्लिपकार्ट, अलीएक्सप्रेस, टीशॉपर और एट्सी जैसे कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और दाऊद इब्राहिम की तस्वीरों वाली टी-शर्ट बेच रहे थे। महाराष्ट्र क्राइम विभाग ने इस मामले में मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि इस तरह के उत्पाद समाजिक शांति को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे उत्पाद जो आपराधिक गति विधियों में शामिल लोगों के जीवनशैली का महिमामंडन करते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह से युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं उन्होंने कहा कि इस तरह की सामग्री समाज के मूल्यों को नुकसान पहुंचाती है और आपराधिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देती है, जिससे युवाओं पर इसका गलत प्रभाव पड़ सकता है।

इन धाराओं में दर्ज हुई एफआईआर

महाराष्ट्र साइबर विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए फ्लिपकार्ट, अलीएक्सप्रेस, टीशॉपर और एट्सी जैसे कई ई-कॉमर्स विक्रेताओं और प्लेटफार्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साइबर विभाग ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 192, 196, 353, 3 और आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया है।

युवाओं पर पड़ता है गलत असर

महाराष्ट्र के पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय की तरफ से जानकारी देते हुए कहा गया कि आपत्तिजनक उत्पादों पर रोक लगाने के लिए कई ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ये भी कहा गया कि ये कार्रवाई सुरक्षित डिजिटल वातावरण और सार्वजनिक शांति को बनाए रखने के लिए की गई है। इस प्रकार के उत्पाद आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को बढ़ावा देते हैं, साथ ही समाज के लिए खतरा पैदा करते हैं। इस तरह के उत्पाद युवाओं और समाज पर गलत प्रभाव डालते हैं।

वेस्टर्न रेलवे ने टिकट जांच से 80 करोड़ रुपए से अधिक जुर्माना वसूला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

वेस्टर्न रेलवे पर सभी वैध यात्रियों को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।

वेस्टर्न रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की निगरानी में अत्यधिक अनुभवी टिकट जांच टीम द्वारा अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक कई टिकट जांच अभियान चलाए गए, जिससे 80.56 करोड़ रुपए की प्राप्ति की गई, जिसमें मुंबई उपनगरीय खंड से प्राप्त 26.60 करोड़ रुपए भी शामिल है। वेस्टर्न रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार अक्टूबर 2024 के दौरान बिना बुक किए सामान के मामलों सहित 2.09 लाख बिना टिकट/अनियमित यात्रियों का पता लगाकर 12.10 करोड़ रुपए की राशि वसूल की गई। इसके अलावा, अक्टूबर के महीने में भी वेस्टर्न रेलवे ने मुंबई उपनगरीय खंड पर 93 हजार मामलों का पता लगाकर 3.90 करोड़ रुपए का जुर्माना प्राप्त किया। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत यात्रा को रोकने के लिए नियमित औचक टिकट जांच अभियान चलाए जाते हैं। इन अभियानों के परिणामस्वरूप अप्रैल से अक्टूबर 2024 के दौरान लगभग 34800 अनधिकृत यात्रियों पर जुर्माना लगाया गया है और जुर्माने के रूप में 115 लाख रुपए वसूल किये गये। वेस्टर्न रेलवे द्वारा आम जनता से हमेशा उचित और वैध टिकट के साथ यात्रा करने की अपील की गई है।

बिना बुक किए सामान के मामलों सहित 2.09 लाख बिना टिकट/अनियमित यात्रियों का पता लगाकर 12.10 करोड़ रुपए की राशि वसूल की गई

दोपहर

संपादकीय

एक बार फिर ट्रंप

अपनी दूसरी पारी के लिये डोनाल्ड ट्रंप फिर अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। हालांकि, अमेरिका फर्स्ट को प्राथमिकता देने वाले ट्रंप की नीतियां व्यापार व आव्रजन के मुद्दे पर भारत के लिये परेशानियां खड़ी कर सकती हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच राष्ट्रपति के रूप में उनकी पहली पारी के दौरान कई मोर्चों पर निबटने का अनुभव जरूर मोदी सरकार के पास है। गाहे-बगाहे मोदी ट्रंप को अपने दोस्त के रूप में संबोधित करते रहे हैं। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि हाल के दिनों में भारत के खिलाफ तल्ख रवैया अपनाने वाले बाइडन प्रशासन की नीतियों में ट्रंप आमूल-चूल परिवर्तन कर देंगे। सारी दुनिया जानती है कि अमेरिकी नीतियां अमेरिका पर शुरू होकर अमेरिका पर भी खत्म हो जाती हैं। अपने चुनाव अभियान में भी ट्रंप भारत की आर्थिक संरक्षण की नीतियों की आलोचना कर चुके हैं। अमेरिका फर्स्ट की नीतियों के पैरोकार ट्रंप विगत में अमेरिका से आयात होने वाली हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर टैरिफ घटाने को लेकर भारत के प्रति नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। मूल रूप से व्यवसायी से राजनेता बने ट्रंप ने पहले कार्यकाल के दौरान भी अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देने को अपनी प्राथमिकता बनाया था। ऐसे में संभव है कि वे अमेरिकी उत्पादों व सेवाओं के संरक्षण को लेकर भारत के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाएं। वे अपने कई उत्पादों पर अपनी सुविधा के अनुरूप टैरिफ बढ़ाने के लिये भारत पर दबाव बना सकते हैं। साथ ही आशंका है कि वे भारतीय निर्यात पर टैरिफ बढ़ाकर हमारे लिये आर्थिक मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। जिससे भारत द्वारा अमेरिका से किया जाने वाला आयात भी महंगा हो सकता है। फलतः भारतीय उपभोक्ताओं की मुश्किलें महंगाई वृद्धि से बढ़ सकती हैं। बहरहाल, ट्रंप की सफलता से अमेरिकी कारोबार जगत खासा उत्साहित है, जिसके चलते अमेरिकी शेयर बाजार खुशी से झूमा है। लेकिन इसके बावजूद हिंद प्रशांत में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका दोनों देशों के रक्षा संबंधों को मजबूती देगी। बहरहाल, यह एक हकीकत है कि ट्रंप एक बार फिर सत्ता में लौटे हैं और भारत तथा दुनिया को इस अप्रत्याशित चरित्र से निपटने के लिये तैयार रहना होगा। यह व्यक्ति एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताता है, वहीं भारत को अमेरिका के व्यापारिक हितों के विरुद्ध नीतियां बनाने वाला बताता है। यहां तक कि अपने चुनाव अभियान के दौरान भी ट्रंप अमेरिकी वस्तुओं पर भारी कर लगाने के लिये भारत की आलोचना कर चुके हैं। साथ ही अमेरिका को फिर से असाधारण रूप से संपन्न बनाने के लिये द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में 'जैसे को तैसा' की नीति अपनाने का आह्वान किया था। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि रिपब्लिकन प्रशासन अमेरिका को भारत से होने वाले 75 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात पर अधिक टैरिफ लगा सकता है। बहुत संभव है कि मोदी के मेक इन इंडिया अभियान तथा ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट नजरिये के साथ टकराव पैदा हो। अपने पहले कार्यकाल में एच-1बी वीजा में कटौती के प्रयास करने वाले ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में रोजगार आधारित आव्रजन पर प्रतिकूल असर हो सकता है। कूटनीतिक मोर्चे पर नई दिल्ली को उम्मीद होगी कि ट्रंप के साथ मोदी के बेहतर तालमेल के चलते गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले में मतभेद सुलझाने में मदद मिले। वैसे भी ट्रंप अमेरिकी न्याय विभाग और एफबीआई पर अविश्वास जताते हुए उन पर पक्षपाती होने के आरोप लगाते रहे हैं। उनका यह दृष्टिकोण इस जटिल मामले में भारत को राहत दे सकता है। वैसे ट्रंप से कुछ भी अप्रत्याशित करने की उम्मीद बनाये रखनी चाहिए। उम्मीद की जा रही है कि सामरिक मुद्दों , हथियारों के निर्यात, संयुक्त सैन्य अभ्यास व तकनीकी हस्तांतरण के मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन के साथ भारत का बेहतर तालमेल संभव है। पिछली पारी में राष्ट्रपति रहते हुए ट्रंप सरकार ने भारत के साथ बड़े रक्षा समझौते भी किए थे। जो फिर होने पर पाक व चीन के मुकाबले भारत को मजबूती दे सकते हैं। फिर भी कयास लगाए जा रहे हैं कि ट्रंप की सत्ता में वापसी भारत के लिये लाभदायक साबित हो सकती है।

शख्सियत | सितारा देवी

शास्त्रीय नृत्य की हृदय और आत्मा

सितारा देवी, जिनका जन्म 8 नवंबर, 1920 को कोलकाता में हुआ था भारतीय शास्त्रीय नृत्य की दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक थीं। उनका नाम भारत के आठ शास्त्रीय नृत्य रूपों में से एक कथक से अविभाज्य है। उनके जुनून, समर्पण और कलात्मकता ने उन्हें कथक क्वीन की उपाधि दिलाई, यह सम्मान उन्हें गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने तब दिया था जब वह केवल सोलह वर्ष की थीं। यह उपाधि उनकी असाधारण प्रतिभा और नृत्य के माध्यम से भावनाओं को व्यक्त करने की असाधारण क्षमता का परिणाम थी, जिसने उन्हें अपने समय की सबसे बेहतरीन कथक नर्तकियों में से एक बना दिया। आज भी, उन्हें इस उपाधि से प्यार से पुकारा जाता है, जो उनकी अद्वितीय विरासत को दर्शाता है।

नृत्य में सितारा देवी का सफर आसान नहीं था। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के कारण, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन अपने शिल्प के प्रति उनके अथक समर्पण ने उन्हें उनसे ऊपर उठने में सक्षम बनाया। अपने पिता से प्रशिक्षित होकर, उन्होंने कथक की जटिल लय और पैरों की हरकतों में महारत हासिल की, साथ ही साथ अनुग्रह और भावनात्मक गहराई की भावना को भी शामिल किया जो उनका ट्रेडमार्क था। उनके प्रदर्शन उनकी तरलता, सटीकता और जटिल पैरों की हरकतों और अभिव्यंजक इशारों के माध्यम से शक्तिशाली कहानी कहने के लिए जाने जाते थे। कथक क्वीन की उपाधि से परे, सितारा देवी को अपने करियर के दौरान कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें भारतीय शास्त्रीय नृत्य में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्म श्री और कथक के प्रति उनके समर्पण के लिए कालिदास सम्मान मिला। ये पुरस्कार भविष्य की पीढ़ियों के लिए कथक की कला को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने के लिए उनकी गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण थे। सितारा देवी ने न केवल शास्त्रीय नृत्य की दुनिया में प्रशंसा अर्जित की, बल्कि भारतीय फिल्म उद्योग में भी अपनी पहचान बनाई। वह बॉलीवुड में कथक को पेश करने वाली पहली महिलाओं में से एक थीं, उन्होंने कई फिल्मों में प्रदर्शन किया, जिससे मुख्यधारा की संस्कृति में शास्त्रीय नृत्य को लोकप्रिय बनाने में मदद मिली। फिल्मों में उनके प्रदर्शन ने कथक की भव्यता और शक्ति को प्रदर्शित किया, जिसने लाखों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 25 नवंबर 2014 में उनके निधन के बाद भी, उनका नाम और उनका प्रभाव नृत्य प्रेमियों के दिलों में अमर है।

छठ के अहसासों में विद्यमान रहेगी बिहार कोकिला

चेतनादित्य आलोक

बिहार की प्रख्यात लोक गायिका शारदा सिन्हा का 5 नवंबर को देर शाम 72 साल की उम्र में निधन हो गया। आश्चर्य कि मूलतः छठ महापर्व के गीतों से प्रसिद्धि प्राप्त करने वाली शारदा सिन्हा का देहांत भी छठ के दौरान ही नहाय-खाय के दिन हुआ। बताया जाता है कि इसी वर्ष 21 सितंबर को 80 साल की आयु में ब्रेन हेमरेज से उनके पति ब्रज किशोर सिन्हा की मृत्यु हो जाने के बाद से ही शारदा सिन्हा बीमार रहने लगी थीं। बहरहाल, गीतों के माध्यम से अपने चाहने वालों के दिलों पर शारदा सिन्हा हमेशा राज करती रहेंगी। उनके निधन से भोजपुरी जगत में जो सूनापन पैदा हुआ है, वह कभी भरा नहीं जा सकता। चाहे विवाह का शुभ अवसर हो अथवा छठ महापर्व का, उनके गीतों के बिना सब कुछ अधूरा-सा प्रतीत होता है। संगीत की दुनिया में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें 'पद्मश्री' तथा 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया गया था। शारदा सिन्हा को जानने वाले बताते हैं कि वह कलाकारों को बहुत सम्मान देती थीं। साथी कलाकारों के साथ वह प्रेमपूर्ण व्यवहार करती थीं। शारदा सिन्हा की इच्छा प्रारंभ में नर्तकी बनने की थी। उन्होंने एक नृत्य गुरु के समक्ष अपनी यह अभिलाषा प्रकट भी की थी, लेकिन नृत्य गुरु ने उन्हें गायन के क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाने की राय दी। नृत्य गुरु ने तब उनसे कहा था कि उनकी आवाज में जो कशिश है, वह गायन में अद्भुत निखार लाएगी। उस नृत्य गुरु की बातों को शारदा सिन्हा ने सत्य साबित करते हुए गायन के क्षेत्र में अपना झंडा गाड़ दिया। अपनी आवाज का जादू बिखेरते हुए न केवल भोजपुरी, बल्कि मैथिली, मगही, बज्जिका, हिंदी आदि भाषाओं में भी अनेक प्रकार के लोकगीतों का गायन किया था। बताया जाता है कि करिअर के शुरुआती दौर में एक बार उन्हें 'प्रयाग संगीत समिति' के आयोजन 'बसंत महोत्सव' में अपना हुनर दिखाने का जब अवसर मिला, तब प्रयाग में आयोजित उक्त कार्यक्रम में उन्होंने अपनी गायकी से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया था। एक गायिका के रूप में उन्होंने आंचलिक लोक-संगीत को एक नया आयाम दिया।

लोकप्रिय गायिका शारदा सिन्हा 'बिहार कोकिला' के रूप में विख्यात रही हैं। उनका जन्म 1 अक्तूबर, 1952 को बिहार के सुपौल जिलांतर्गत हुलास गांव में हुआ था। बचपन से ही घर में संगीत का माहौल होने के कारण उनका रुझान गीत-संगीत की ओर हो गया था। बाद में जब उनका विवाह बेगूसराय जिला स्थित सिहमा गांव के मैथिली भाषा-भाषी ब्रज किशोर सिन्हा से हुई, तो वहां उन्हें मैथिली लोकगीतों को सुनने का अवसर मिला। मायके और ससुराल दोनों जगहों पर संगीतमय माहौल होने के कारण संगीत के सुरों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता चला गया। वैसे उन्होंने स्व. पं. सीताराम से गुरु-शिष्य परंपरानुसार शास्त्रीय संगीत की शिक्षा भी प्राप्त की थी। उनकी गायकी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसमें फूहड़पन का नामोनिशान नहीं है।

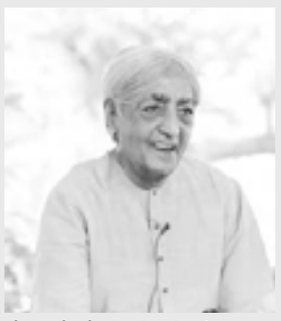

हालांकि, वह अपने कैरियर के आरंभ में मैथिली लोकगीत गाती थीं, लेकिन शीघ्र ही जब उन्हें भोजपुरी में अपना हुनर दिखाने का अवसर मिला तो उन्होंने भोजपुरी में अपना नाम रोशन करने में देर नहीं लगाई। वहीं, उन्होंने बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों के लिए भी कई गीत गाए, लेकिन उनको वास्तविक पहचान तो छठ गीतों से ही मिली। टी-सीरीज, टिप्स एवं एचएमवी सहित कई बड़ी और नामचीन संगीत कंपनियों के लिए उन्होंने गीत गाए। इन कंपनियों के कुल नौ एल्बमों के लिए उन्होंने 60 से भी अधिक छठ गीत गाए। बिहार कोकिला के रूप में विख्यात शारदा सिन्हा ने अपने पूरे कैरियर में बॉलीवुड की फिल्मों के लिए भी कई गीत गाए थे। इनमें 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के लिए 'तार बिजली से पतले' और 'हम आपके हैं कौन' के लिए 'बाबुल जो तुमसे पाया' तथा 'मैंने प्यार किया' के लिए 'कहे तोसे सजना' जैसे यादगार गीतों को अपने सुरों से सजाया, जो संगीत के क्षेत्र में उनकी दीवानगी और ऊंचाई को दिखाते हैं। 'महिमा बा राउर अपार छठी मैया!' भोजपुरी भाषा का यह अत्यंत लोकप्रिय छठ गीत शारदा सिन्हा ने 2003 में गाया था। इसके अलावा 2003 में ही उन्होंने मैथिली भाषा में इस गीत को भी गाया था- 'सकल जगतारिणी हे छठी मैया!' इसी प्रकार, 'पहिले-पहिले हम कईनी, छठ मैया, बरत तोहार' गीत उन्होंने 2016 में गाया था, जिसने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात कर दिया। बताया जाता है कि इसी गीत ने देश के अतिरिक्त विदेशों में बसे भारतवंशी युवाओं को छठ महापर्व की महत्वपूर्ण परंपराओं से जोड़ने कार्य किया था। उनका एक और लोकप्रिय छठ गीत 'हो दीनानाथ' 1986 में जारी हुआ था, जिसने श्रद्धालुओं को भक्ति में सराबोर करने में कभी कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे ही, 'केलवा के पात पर उगलन सूरजमल झुके झुके' गीत को भी उन्होंने 1986 में ही गाया था। छठ गीतों की तरह ही शारदा सिन्हा के विवाह गीत भी काफी लोकप्रिय रहे हैं। देखा जाए तो उन्होंने बेटी की विदाई के दर्द को इतनी खूबसूरती से अपने गीतों में उतारा है कि प्रायः यह गीत प्रत्येक विवाह में बजाया ही जाता है। 'बाबुल का घर छोड़कर' गीत लोगों को इतना भावुक करने वाला है कि दुल्हन की विदाई के समय प्रायः इसे सुनकर हर व्यक्ति की आंखें नम हो जाती हैं। इसके विपरीत विवाह के अवसर पर हंसी-ठिठोली से भरपूर गीत 'सांवर-सांवर सुरतिया तोहार दुल्हा' में दुल्हन की सखियां दूल्हे की खिंचाई करती हैं। इस गीत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके बोल और भाव अत्यंत मधुर होने के कारण यह लोगों के दिलों में रच-बस चुका है। इसी प्रकार, 'शिव से गौरी ना बियाहब' गीत भी विवाह के मौके पर दूल्हे की खिंचाई करते हुए दुल्हन पक्ष की महिलाएं गाती हैं। इसके अलावा 1977 में गाया गया 'दूल्हा धीरे-धीरे चलियो' मंडप में दूल्हे के प्रवेश के समय गाया-बजाया जाने वाला एक लोकप्रिय गीत है।

जीवन मंत्र | जे कृष्णमूर्ति

समस्या को समग्रता में देखें

क्या हम जानते हैं कि क्या करना है? किसी विशेष खंड के बारे में नहीं, बल्कि अपने समाज, पूरी संरचना, प्रकृति और खुद के संबंध में क्या करना है, क्या हम जानते हैं? मुझे नहीं पता कि आपने इस बारे में सोचा भी है या नहीं या आपकी इस दृष्टिकोण में रुचि है या नहीं?

आप जानते हैं कि दुनिया भर में क्या कुछ घट रहा है। हर तरफ सवाल उठाए जा रहे हैं, संदेह किया जा रहा है और जब किसी का सामना इन सब से होता है, तो वह पूछता है कि उसे क्या करना चाहिए? गिरावट की, पतन की घटनाओं का सामना करने वाला एक इंसान आखिर क्या कर सकता है? मनुष्य होने के नाते उसे वास्तव में क्या करना चाहिए? दरअसल, उसे किसी न किसी स्थापित व्यवस्था का पक्ष लेते हुए कार्य करना पड़ता है, चाहे वह कम्युनिस्ट स्थापित व्यवस्था हो, पूंजीपतियों द्वारा स्थापित व्यवस्था हो या फिर धार्मिक समूह द्वारा? तो क्या उसे इनमें से किसी की ओर जाना चाहिए या इन सबके खिलाफ विद्रोह कर देना चाहिए, जैसा कि बहुत से लोग कर भी रहे हैं?

अलग-अलग देशों में विद्रोह की शैली भिन्न-भिन्न होती है। आपको जानकर हैरानी नहीं होनी चाहिए, नशाखोरी भी उनमें से एक रूप है। अमेरिका में अश्वेतों और श्वेत लोगों का विद्रोह हो, युद्ध-विरोधी या युद्ध समर्थक खेमेबाजी हो या जनसंख्या विस्फोट। सवाल उठता है, क्या ऐसी प्रतिक्रियाओं की कोई सार्थकता भी है? अब कुछ न कुछ करना तो जरूरी है। ऐसे में, एक व्यक्ति किसी खास विघटन के प्रति समग्र प्रतिक्रिया करेगा, कोई राजनीतिक-आर्थिक मुद्दा उठाएगा और उसमें खुद को झोंक देगा, किसी सामाजिक कार्य में रम जाएगा या फिर खुद को अलग-थलग कर लेगा; वह ध्यान की दुनिया में चला जाएगा। ऐसा हो भी रहा है। निश्चित रूप से यह सब समस्या को खंडित रूप में देखने का संकेत है। क्या ऐसा नहीं है? समग्र रूप में यह एक मानवीय समस्या है, किसी विशेष समूह या व्यक्तियों या संस्कृति की नहीं।

क्या कोई किसी खास घटना के बजाय समग्रता में प्रतिक्रिया दे सकता है? और क्या अपने पूरे दिमाग और दिल से इसका जवाब देना संभव है, ताकि हम टुकड़ों में नहीं, बल्कि अपने पूरे अस्तित्व के साथ काम करें? मुझे लगता है कि पतन की किसी घटना का सामना करते हुए यही एकमात्र संभावित प्रतिक्रिया और इकलौती संभव कार्रवाई है। आखिरकार, पतन होता ही तब है, जब कोई जानता है कि क्या करना है और क्या नहीं। क्या हम जानते हैं कि क्या करना है? किसी विशेष खंड के बारे में नहीं, बल्कि अपने समाज, पूरी संरचना, प्रकृति और खुद के संबंध में क्या करना है, क्या हम जानते हैं? मुझे नहीं पता कि आपने इस बारे में सोचा भी है या नहीं या आपकी इस दृष्टिकोण में रुचि है या नहीं?

बहरहाल, मूल सवाल पर आते हैं कि एक मनुष्य के रूप में हमें क्या करना चाहिए? अपने मन को तमाम आग्रहों-दुराग्रहों से मुक्त कीजिए। आपका या मेरा मन नहीं, बल्कि समग्र मानव-मन को मुक्त कराइए।

जीवन ऊर्जा | एडमंड हैली: जन्म- 8 नवंबर 1656 | जन्म

ज्ञान की खोज कभी व्यर्थ नहीं जाती

एडमंड हैली 8 नवंबर 1656 को जन्मे और 14 जनवरी 1742 को उनका निधन हुआ। वह एक प्रमुख अंग्रेजी खगोलज्ञ, गणितज्ञ और भौतिक विज्ञानी थे। वे रहैली का धूमकेतुर के लिए प्रसिद्ध हैं, जिसे उन्होंने भविष्यवाणी की थी। उन्होंने खगोलशास्त्र, मौसम विज्ञान और समुद्र विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया, और विज्ञान के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी।

जो हम जानते हैं वह एक छोटी सी बूंद है। जो हम नहीं जानते वह एक महासागर है। ज्ञान की खोज कभी व्यर्थ नहीं जाती, क्योंकि हर खोज नए सवालों को जन्म देती है। महान दिमाग अज्ञात से डरते नहीं हैं; वे इसे गले लगाते हैं और समझने की कोशिश करते हैं। सितारे केवल अवलोकन के लिए नहीं बल्कि प्रेरणा के लिए हैं। दुनिया से सवाल करना सत्य को खोजने का पहला कदम है। विज्ञान केवल एक अध्ययन नहीं है; यह जीवन जीने का एक तरीका है जो हमें गहराई से देखने के लिए कहता है। हर गणना में खोज की संभावना निहित है। जो आप जानते हैं उस पर आराम न करें; अज्ञात में आगे बढ़ें। सफलता जिज्ञासा और असंभव को चुनौती देने के साहस से पैदा होती है। ज्ञान की राह कभी छोटी नहीं होती, बल्कि हर कदम हमें सत्य के करीब लाता है। हर धूमकेतु जो गुजरता है वह हमें ब्रह्मांड की विशालता और हमारे संदेहों की छोटी सी याद दिलाता है। अनिश्चितता का सामना करने में दृढ़ता असाधारण सफलताओं की ओर ले जाती है। विज्ञान निश्चितता पर नहीं, बल्कि अज्ञात की खोज करने के साहस पर टिका है। सबसे बड़ी खोजें उत्तरों से नहीं, बल्कि सही प्रश्न पूछने से आती हैं। सच्ची खोज निष्कर्षों में नहीं बल्कि अन्वेषण की प्रक्रिया में ही पाई जाती है। तारों को जानना अपने भीतर की क्षमता को समझना है। जिज्ञासा को अपना मार्गदर्शक बनने दें, क्योंकि यह आपको उन जगहों पर ले जाएगी जहाँ ज्ञान अपने आप नहीं पहुँच सकता। गलतियों से न डरें, क्योंकि वे सबक हैं जो हमें महानता की ओर ले जाते हैं। विज्ञान में, असफलता सत्य की ओर एक और कदम है। हर प्रश्न का उत्तर एक बड़ी यात्रा की शुरुआत है। ज्ञान की तलाश प्रसिद्धि के लिए नहीं, बल्कि मानवता को मिलने वाले ज्ञान के लिए करें। ब्रह्मांड एक पहेली है, और जीवन का आनंद उसके टुकड़ों को खोजने में है। अपनी खोज में दृढ़ रहें, और ब्रह्मांड अपने रहस्यों को आपके सामने प्रकट करेगा। धूमकेतु, सपने की तरह, हमें याद दिलाता है कि हमारे काम का स्थायी प्रभाव हो सकता है, हमारे समय से कहीं आगे। हर असफलता में भविष्य की सफलता का बीज छिपा होता है - उसे बोते रहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

माँ दुर्गा द्वारा लोकमंगल के लिए विभिन्न चरित्र

माँ दुर्गा द्वारा अपने भक्तों के व लोकमंगल के लिए विभिन्न चरित्र किए जाते हैं। माँ की प्रत्येक लीला मानव जीवन को कुछ विशेष संदेश प्रदान करती हुई अपने भक्तों के कल्याण के लिए ही होती हैं। ऐसे ही माँ दुर्गा द्वारा रक्तबीज असुर का जिस तरह से नाश किया जाता हैवह बड़ा ही प्रतीकात्मक व संदेशप्रद है।

यह रक्तबीज कुछ और नहीं हमारी कामनाएँ ही हैं जो एक के बाद एक जन्म लेती रहती हैं। एक इच्छा पूर्ण हुई कि दूसरी और तीसरी अपने आप जन्म ले लेती हैं। हम निरंतर इनसे संघर्ष भी करते रहते हैं लेकिन निराशा ही हाथ लगती है क्योंकि हमारे अधिकतर प्रयास इच्छापूर्ति की दिशा में होते हैं, इच्छा दमन की दिशा में नहीं।

रक्तबीज तब तक नहीं मरता जब तक उसके रक्त की एक भी बूँद शेष रहती है। ऐसे ही हमें भी हमारी अकारण की इच्छाओं और कामनाओं को पी जाना होगा जो व्यर्थ में दुःखी और व्यथित करती रहती हैं। कामनाओं को पी जाना अर्थात उन्हें विवेकपूर्ण नियंत्रित करना है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

महाभारत से सीखे सफलता का ये 7 सूत्री फॉर्मूला

सफलता में निरंतरता का विशेष योगदान होता है, क्योंकि उसके बिना आगे बढ़ते रहना संभव नहीं है। किंतु काम का मकसद सद्भावपूर्ण और विचार मानव कल्याण का हो तो भी सफलता न मिले तो कुछ कारण हो सकते हैं। हिन्दू धर्म के विशालतम ग्रंथ महाभारत असफलता के कारण बताए गए हैं। इसी के निदान के झप में सात्र सूत्री एक फॉर्मूला भी बताया गया है जिसे अपनाकर मनुष्य अपने उद्देश्य को पूरा करने में समर्थ होगा।

उत्थानं संयमो दाक्ष्यमप्रमादो धृतिः स्मृतिः।
समीक्ष्य च समारम्भो विद्धि मूलं भवस्य तु।।

इस श्लोक में जीवन में कर्म, विचार और व्यवहार से जुड़ी 7 बातें उन्नति का मूल मंत्र मानी गई है। ये बाते हैं-

1- उत्थानं या मेहनत के साथ प्रयासरत रहना : अक्सर सफलता पाने की जल्दबाजी या बेचैनी में कई लोग आसान और छोटे रास्ते या तरीकों को चुन तो लेते हैं। लेकिन मनचाही सफलता से दूर रहने पर निराशा के दौर से गुजरते हैं। असल में सफलता के लिए संकल्प, कर्म के साथ उसके लिए तत्पर रहना भी जरूरी है।

2- संयमो यानी संयम- छोटी या थोड़ी-सी सफलता मिलने पर मन व विचार पर काबू या उतावलेपन से बचना, क्योंकि बिना धैर्य और संयम के सफलता साथ छोड़ देती है, बल्कि तरक्की के रास्ते भी बंद हो जाते हैं।

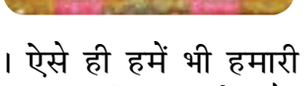

3- दक्षता- सफलता को अवसरों को भुनाने और जल्द लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किसी भी कार्य या कला में कुशलता या महारत बड़ी मददगार होती है। इसलिए बिना अहंकार के सीखने की जिज्ञासा बनाए रखें।

4- धृतिः यानी धैर्य- तमाम कोशिशों के बाद भी अगर मनचाहे परिणाम न मिलने या अपेक्षा पूरा न होने पर लक्ष्य से न भटकें या न उसे छोडने का विचार करें। बल्कि मजबूत संकल्प और दोगुनी मेहनत के साथ उसे पाने में जुट जाएं।

5- सावधानीः किसी भी तरह की सफलता के रास्ते में कई बाधाएं भी मुमकिन है। इसलिए सारी संभावनाओं और स्थितियों के आंकलन और विश्लेषण के साथ विषय, कार्य और स्थिति के प्रति जागरूकता और सावधानी रखें।

6- स्मृतिः इसकी अलग-अलग अर्थों और परिस्थितियों में अलग-अलग अहमियत है। जैसे ज्ञान और स्मरण शक्ति के अलावा दूसरों के उपकारों, सहयोग या प्रेम को न भूलना आदि।

7- सोच-विचारः विवेक का साथ न छोडना। सफलता और तरक्की के लिए कोई भी कदम बढ़ाने से पहले सही और गलत की विचार शक्ति अहम होती है, इसके लिए आपको अधिक से अधिक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने की जरूरत होती है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन होगा : सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी के बजाय उसका आवंटन किया जाएगा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) इसके लिए कीमत तय करेगा। भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी और सुनील मित्तल इसकी नीलामी किए जाने की मांग कर रहे हैं, जबकि अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने इसके आवंटन की वकालत की है। केंद्रीय मंत्री द्वारा स्थिति स्पष्ट करने के बाद स्टारलिंक का भारत में प्रवेश करना आसान हो जाएगा।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत मजबूत होगा : श्रृंगला

नई दिल्ली। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप सरकार बनने से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत होगी। दूसरा असर यह भी होगा कि यहां चीन की आक्रामकता ढीली पड़ जाएगी। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला के अनुसार ट्रंप सरकार का विशेष फोकस हिंद महासागर और ताइवान में चीन की प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने पर होगा।

जेट एयरवेज के उड़ान भरने की उम्मीद खत्म

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में बंद पड़ी जेट एयरवेज की परिसंपत्तियों को बेचने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत पूर्ण न्याय करने के लिए मिली असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से दिवालिया हो चुकी जेट एयरवेज के लेनदारों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों को लाभ होगा क्योंकि संपत्तियों को बेचने के बाद पैसे का वितरण सभी लेनदारों, कर्मचारियों के बकाया भुगतान व अन्य हितधारकों को मिलेगा।

वक्फ विधेयक पर समिति की बैठकों का बहिष्कार करेगा विपक्ष

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि विपक्षी सदस्य शनिवार से शुरू होने वाली वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठकों का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने कहा कि समिति के अध्यक्ष की मनमानी के चलते ऐसा निर्णय लिया गया है। समिति के सदस्य बनर्जी ने कहा कि अध्यक्ष ने छह दिनों में गुवाहाटी, भुवनेश्वर, कोलकाता, पटना और लखनऊ में बैठकों का एक व्यस्त कार्यक्रम तय किया है, जिसमें रविवार को छुट्टी है। उन्होंने कहा कि समिति के सभी विपक्षी सदस्यों ने दौरे और इसकी बैठकों का बहिष्कार करने का फैसला किया है। साथ ही दावा किया किया कि भविष्य की कार्रवाई विपक्ष के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से तय की जाएगी।

ग्लेशियर पर जवानों को महफूज रखेगा हाई एल्टिट्यूड टेंट

कानपुर। सियाचिन ग्लेशियर समेत बर्फीली चोटियों पर तैनात सेना के जवानों को माइनस 50 डिग्री सेल्सियस तापमान पर सुरक्षित रखने वाला हाई एल्टिट्यूड टेंट तैयार हो गया है। कानपुर की ऑर्डिनेंस इक्यूपमेंट फैक्ट्री (ओईएफ) में इसका निर्माण किया गया है। सेना के मानकों पर हुए सफल परीक्षण के बाद इसका ऑर्डर ओईएफ को दिया गया है। इस टेंट के भीतर ग्लेशियर में भी जवानों का शरीर सामान्य रहेगा।

सरकारी नौकरियों के लिए बीच में नहीं बदले जा सकते भर्ती नियम

संविधान पीठ ने सुनाया अहम फैसला

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की संविधान पीठ ने गुरुवार को पारित महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि 'सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद 'नियुक्ति के नियमों और आहर्ता की शर्तों में बीच में तब तक बदलाव नहीं किया जा सकता है, जब तक कि नियम इसकी अनुमति न दें। संविधान पीठ ने कहा है कि सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती प्रक्रिया आवेदन आमंत्रित करने के लिए विज्ञापन जारी करने से शुरू होती है और रिक्तियों को भरने के साथ खत्म होती है, ऐसे में बीच में नियमों व आहर्ता की शर्तों को बदलना, खेल शुरू होने के बाद नियमों में बदलने के समान होगा।

सर्वसम्मति से लिया गया फैसला

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, पीएस नरसिम्हा, पंकज मिथल और मनोज मिश्रा की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से यह फैसला दिया है। संविधान पीठ ने कहा है कि 'भर्ती प्रक्रिया के प्रारंभ में अधिसूचित चयन सूची में रखे जाने के लिए पात्रता मानदंड को भर्ती प्रक्रिया के बीच में नहीं बदला जा सकता, जब तक कि मौजूदा नियम इसकी अनुमति न दें या भर्ती के लिए जारी विज्ञापन मौजूदा नियमों के खिलाफ न हो। संविधान पीठ में शामिल सभी जजों की ओर से फैसला लिखने वाले जस्टिस मनोज मिश्रा ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि 'भर्ती प्रक्रिया के बीच में यदि मौजूदा नियमों या विज्ञापन के तहत मानदंडों में बदलाव की अनुमति है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता का अधिकार की आवश्यकता को पूरा करना होगा और मनमानी न करने की कसौटी पर खरा उतरना होगा। संविधान पीठ ने कहा है कि मौजूदा नियमों के अधीन भर्ती नियुक्ति करने वाले बोर्ड/निकाय भर्ती प्रक्रिया को उसके तार्किक अंत तक लाने के लिए उचित प्रक्रिया तैयार कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए अपनाई गई प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी, गैर भेदभावपूर्ण हो और इससे प्राप्त होने वाले उद्देश्य से संबंध रखता हो। जस्टिस मिश्रा ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि 'वैधानिक बल वाले मौजूदा नियम नियुक्ति की प्रक्रिया और आहर्ता के मानदंड दोनों के संदर्भ में भर्ती करने वाले बोर्ड/निकायों पर बाध्यकारी हैं। जहां नियम मौजूद नहीं हैं या मौन हैं, वहां प्रशासनिक निर्देश इस अंतराल को भर सकते हैं।

'यदि रिक्तियां है तो नियुक्ति देने से नहीं किया जा सकता है इनकार'

संविधान पीठ ने कहा है कि 'यह सही है कि चयन सूची में स्थान पाना नियुक्ति का कोई अपरिहार्य अधिकार नहीं मिलता और राज्य या भर्ती निकाय समुचित कारणों से रिक्तियों को नहीं भरने के विकल्प को चुन सकते हैं। हालांकि, संविधान पीठ ने यह साफ कर दिया है कि यदि रिक्तियां मौजूद हैं, तो सरकार / भर्ती करने वाले बोर्ड/निकायों चयन सूची में प्रतीक्षा/विचाराधीन किसी व्यक्ति को मनमाने ढंग से नौकरी देने से इनकार नहीं कर सकते। संविधान पीठ ने फैसले में कहा है कि नियुक्ति प्राधिकारी, विपरीत नियमों की अनुपस्थिति में, किसी पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार के चयन के लिए एक प्रक्रिया तैयार कर सकता है।

यह था मामला

दरअसल यह मामला राजस्थान हाईकोर्ट के कर्मचारियों के लिए 13 अनुवादक के पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया से जुड़ा है। नियुक्ति के लिए जारी विज्ञापन में उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार देना था। इसमें 21 आवेदक शामिल हुए, लेकिन नियुक्ति सिर्फ 3 लोगों की हुई। बाद में, असफल आवेदकों को पता चला कि राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने आदेश दिया था कि इन पदों के लिए कम से कम 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों का ही चयन होना चाहिए। लेकिन भर्ती के लिए जारी विज्ञापन में इसका कोई जिक्र नहीं था। इसके बाद असफल उम्मीदवारों ने 2010 में पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर केस

सुप्रीम कोर्ट का प.बंगाल से बाहर केस ट्रांसफर करने से इनकार

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सभी राज्यों से सुझाव मांगे

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के मुकदमे को पश्चिम बंगाल से बाहर स्थानांतरित करने से गुरुवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि निचली अदालत के न्यायाधीश के पास सबूतों पर गौर करने के बाद जरूरी महसूस होने पर एक और जांच के आदेश की शक्तियां हैं। शीर्ष अदालत ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से जुड़े इस

मामले में सीबीआई द्वारा दाखिल छठी स्टेटस रिपोर्ट पर भी गौर किया। कोर्ट ने यह कहते हुए किसी टिप्पणी से परहेज किया कि जांच जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोलकाता की अदालत ने हत्या और दुष्कर्म के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ चार नवंबर को आरोप तय कर दिए हैं और मामले में रोजाना सुनवाई 11 नवंबर से शुरू होगी।

एनटीएफ की रिपोर्ट राज्यों को साझा करें

सुनवाई के दौरान स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा पर प्रोटोकॉल बनाने के लिए गठित राष्ट्रीय कार्यबल (एनटीएफ) ने शीर्ष अदालत में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। शीर्ष अदालत ने रिपोर्ट सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा करने का निर्देश दिया और सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की।

बंगाल उपचुनाव: गंभीर आपराधिक मामलों वाले सात उम्मीदवार

भाजपा के 4, तृणमूल कांग्रेस के 2 तथा कांग्रेस के एक उम्मीदवार पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज

कूचबिहार सीताई, हरोआ, नैहाटी, मेदिनीपुर, तलडांगरा और मदारीहाट में 13 नवंबर को होंगे उपचुनाव

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव लड़ रहे 41 उम्मीदवारों में से सात के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले लंबित हैं, जबकि अन्य सात करोड़पति हैं। यह जानकारी उनके हलफनामों के विश्लेषण से मिली है। कूचबिहार सीताई (एससी), हरोआ, नैहाटी, मेदिनीपुर, तलडांगरा और मदारीहाट (एसटी) में 13 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। पश्चिम बंगाल इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने 42 उम्मीदवारों में से 41 के शपथ-पत्रों का विश्लेषण किया। मदारीहाट (एसटी) से चुनाव लड़ रहे एक स्वतंत्र उम्मीदवार पंकज लोहरा के हलफनामे का विश्लेषण नहीं किया जा सका। क्योंकि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उनके पूर्ण और ठीक से स्कैन किए गए दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे। भाजपा के चार, तृणमूल कांग्रेस के दो तथा कांग्रेस के एक उम्मीदवार पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

7 करोड़पति

विश्लेषण में कहा गया है कि सबसे अधिक करोड़पति पार्टी कांग्रेस (3) है, उसके बाद भाजपा (2) है, जबकि सीपीआईएम (एल) और टीएमसी के एक-एक उम्मीदवार हैं। टीएमसी के सनत डे (नैहाटी) सबसे अमीर उम्मीदवार हैं, जिनकी कुल संपत्ति 4 करोड़ 90 लाख 97 हजार 914 रुपये है, जिसमें 1 करोड़ 80 लाख रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। उनके बाद भाजपा की अनन्या रॉय चक्रवर्ती (तालडांगरा) हैं, जिनकी कुल संपत्ति 2 करोड़ 98 लाख 59,287 रुपये है, और टीएमसी के श्यामल कुमार घोष (मेदिनीपुर) 1 करोड़ 69 लाख 43 हजार 060 रुपये हैं। हलफनामे के अनुसार, उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 58 .14 लाख रुपये है। विश्लेषण के अनुसार, कूचबिहार सीताई (एससी) से कामतापुर पीपुल्स पार्टी (यूनाइटेड) के उम्मीदवार काशीकांत बर्मन के पास सबसे कम घोषित संपत्ति है, जो मात्र 5,000 रुपये है।

सेवानिवृत जजों को मिल रहा है 6 हजार से 15 हजार तक का पेंशन

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को उस वक्त हैरान रह गया जब बताया कि उच्च न्यायालयों से सेवानिवृत होने वाले कुछ जजों को महज 6 से 7 हजार रुपये पेंशन मिल रहा है। शीर्ष अदालत को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक पूर्व जज की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह जानकारी दी गई। जस्टिस बीआर गवई, प्रशांत कुमार और केवी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय से सेवानिवृत होने वाले जज जस्टिस अजित सिंह ने कहा कि उन्हें महज 15 हजार रुपये पेंशन मिल रहा है। जिला अदालत में 13 वर्षों तक न्यायिक अधिकारी के रूप में सेवा देने के बाद जस्टिस सिंह इलाहाबाद उच्च न्यायालय में जज नियुक्त किए गए थे। उन्होंने पीठ को बताया कि अधिकारियों ने पेंशन की गणना करते समय उनकी न्यायिक सेवा पर विचार करने से इनकार कर दिया था। जस्टिस गवई ने कहा कि 'यदि हमारे सामने सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं, जिन्हें 6 से 15 हजार रुपये तक पेंशन मिल रहा है, तो यह चौंकाने वाला है। ऐसा कैसे हो सकता है? उन्होंने कहा कि जजों के लिए सेवानिवृति के बाद की सुविधाएं प्रत्येक उच्च न्यायालय में अलग-अलग हैं और कुछ राज्य बहुत बेहतर लाभ प्रदान करते हैं। अब इस मामले की सुनवाई 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

हेमा समिति की रिपोर्ट पर जांच सही दिशा में : हाईकोर्ट

मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न को लेकर सरकार ने दाखिल की रिपोर्ट

एजेंसी । कोच्चि

केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के खुलासे से संबंधित विभिन्न मामलों की जांच अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। इस रिपोर्ट में मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न और प्रताड़ना के मामलों को उजागर किया गया है।

मामले में अगली सुनवाई 21 नवंबर को

न्यायमूर्ति एके जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति सीएस सुधा की खंडपीठ ने राज्य सरकार की रिपोर्ट दाखिल होने के बाद यह टिप्पणी की। रिपोर्ट में प्रकरण में दर्ज 26 प्राथमिकी में जांच में प्रगति की बात कही गई है। हाईकोर्ट ने फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न के मुद्दे से संबंधित विभिन्न रिपोर्ट, सुझावों और मसौदा कानून को एकत्रित करने और समन्वय के लिए एक न्यायमित्र भी नियुक्त किया। पीठ समिति की रिपोर्ट पर कई याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि 26 प्राथमिकी में से पांच में शिकायतकर्ता जांच में सहयोग से इनकार कर रहे हैं और तीन में शिकायर्ताओं ने कहा कि उनके बयान सच नहीं हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि अदालत कानून का मसौदा तैयार नहीं करेगी, केवल सुझाव देगी। मामले में अगली सुनवाई 21 नवंबर को होगी।

केंद्र ने पराली जलाने पर दोगुना किया जुर्माना

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्र सरकार ने पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माना दोगुना कर दिया है। पर्यावरण मंत्रालय ने गुरुवार को एक नोटिफिकेशन जारी करके इसकी जानकारी दी।

2 एकड़ से कम जमीन पर 5000 रुपए का जुर्माना

अब 2 एकड़ से कम जमीन पर 5000 रुपए का जुर्माना लगेगा। दो से पांच एकड़ तक 10,000 रुपए और पांच एकड़ से ज्यादा जमीन वालों से 30,000 रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली सरकार इन नियमों को लागू करने के लिए बाध्य होंगी। दरअसल, 4 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पराली पर पंजाब-हरियाणा से 14 नवंबर तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा था। इससे पहले 23 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (EPA) के तहत नियम बनाने और जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिए केंद्र सरकार को दो हफ्ते का समय दिया था।

टूकॉलर के दफ्तरों पर आयकर विभाग का सर्वे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/गुरुग्राम

टूकॉलर के दफ्तरों पर आयकर विभाग के सर्वे की खबर सामने आई है। खबरों के मुताबिक सर्वे की यह कार्रवाई मुंबई और गुरुग्राम में स्थित दफ्तरों पर हुई है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि टूकॉलर पर यह कार्रवाई ट्रांसफर प्राइसिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में हुई है। गौरतलब है कि आम तौर पर टूकॉलर का इस्तेमाल कॉलर आईडी जानने और फोन ब्लॉक करने के लिए होता है। अब ताजा घटनाक्रम में दो बड़े शहरों में स्मार्टफोन एप्लीकेशन टूकॉलर आयकर विभाग के रडार पर है और खबरों के मुताबिक आयकर विभाग के अधिकारी ट्रांसफर प्राइसिंग नियमों के उल्लंघन से जुड़े आरोपों की जांच कर रहे हैं।

आतंकियों के लिए सरकार का प्लान तैयार

शाह बोले- जल्द आएगी राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक नीति

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को आतंकवाद निरोधक सम्मेलन को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि सरकार आतंकवाद, आतंकवादियों और उनके पारिस्थितिकी तंत्र से लड़ने के लिए जल्द ही राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक नीति और रणनीति लाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए आदर्श आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और आदर्श विशेष कार्य बल (एसटीएफ) पर एक दृष्टिकोण तैयार किया है, जिसे अगर अपनाया जाता है तो यह आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए एक साझा ढांचे और मंच के रूप में काम करेगा।

आतंकवाद की कोई सीमा नहीं

आतंकवाद निरोधक सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है और राज्यों की भौगोलिक सीमाएं और संवैधानिक सीमाएं हैं, लेकिन आतंकवाद के मामले में ऐसी कोई सीमा नहीं है और इसलिए सभी सुरक्षा एजेंसियों (केंद्र और राज्य) को निकट समन्वय में काम करना चाहिए, संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए और खुफिया जानकारी साझा करनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 370 पर विधायकों के बीच मारपीट

एजेंसी । श्रीनगर

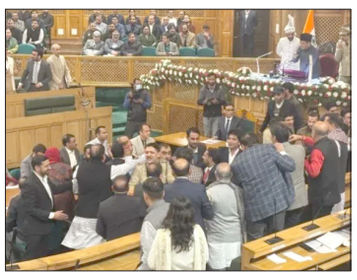

जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र के दौरान गुरुवार को विधायकों के बीच जमकर हाथापाई हुई। सत्ता पक्ष और विपक्षी भाजपा के विधायकों ने एक-दूसरे की कॉलर पकड़ी और धक्कामुक्की की। सदन में हंगामे के चलते पहले विधानसभा की कार्यवाही 20 मिनट, फिर कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। दरअसल, लेंगेट से विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने सदन में आर्टिकल 370 की वापसी का बैनर लहराया। बैनर पर लिखा था, 'हम अनुच्छेद 370 और 35ए की बहाली और सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई चाहते हैं। भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने इसका विरोध किया। विपक्षी सदस्य नारेबाजी करने लगे। भाजपा विधायकों के विरोध का सिलसिला यहीं नहीं थमा। वे सदन के वेल से होते हुए खुर्शीद अहमद शेख के पास पहुंचे और उनके हाथ से बैनर छीन लिया। इस दौरान सज्जाद लोन और वहीद पारा और नेशनल कॉन्फ्रेंस के कुछ अन्य विधायक शेख के समर्थन में भाजपा विधायकों से भिड़ गए।

खबर संक्षेप

छठ पर्व पर 11 नवंबर तक चलेगी स्पेशल ट्रेन

मऊ। छठ पर्व के दौरान बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने वाराणसी सिटी-सिवान-वाराणसी सिटी छठ स्पेशल पैसेंजर (05176/05175) ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 6 से 11 नवंबर तक प्रतिदिन मऊ होते हुए चलेगी। जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार के अनुसार, वाराणसी सिटी से यह ट्रेन सुबह 8:45 बजे रवाना होगी और 10:53 बजे मऊ जंक्शन पहुंचेगी। यह ट्रेन सारनाथ, कादीपुर, औड़िहार, सादात, जखनियां, मऊ जंक्शन, इंदारा, बेल्थरा रोड सहित कई स्टेशनों से होते हुए सिवान पहुंचेगी। इसी मार्ग से होकर ट्रेन सिवान से मऊ और फिर वाराणसी सिटी वापस आएगी।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर में तकनीकी खामियां, 2.75 लाख मीटर प्रभावित

लखनऊ: प्रदेश में लगाए गए स्मार्ट प्रीपेड मीटर तकनीकी परीक्षण में फेल साबित हुए हैं। यूपी पावर कारपोरेशन की उच्चस्तरीय टीम ने इन मीटरों में गंभीर खामियां पकड़ी हैं, जिसके बाद संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी किया गया है। पावर कारपोरेशन के निदेशक कामर्शियल, निधि कुमार नारंग ने इन खामियों की रिपोर्ट सामने आने के बाद पोलरिस, इन टैलीस्मार्ट और जीएमआर कंपनियों को तत्काल सुधार की कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने पहले ही इन मीटरों को लेकर पावर कारपोरेशन को चेतावनी दी थी। प्रदेश में अब तक लगभग 2.75 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत मीटर इन कंपनियों के हैं। जांच में यह सामने आया है कि मीटर गलत पावर फैक्टर रिकॉर्ड कर रहे हैं और उनकी आरटीसी दो घंटे में ट्रिप कर रही है। इसके अलावा, पीटी रिसिवो भी गलत मल्टीप्लाइंग फैक्टर बता रहे हैं। ये तकनीकी खामियां स्मार्ट मीटर के प्रमुख मानकों के खिलाफ हैं।

युवक की गोली मारकर हत्या, शव छठ घाट पर मिला

दरभंगा: नगर थाना क्षेत्र के जितुगाछी स्थित बागमती नदी के किनारे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हीरा साहनी के रूप में हुई है, और उसका शव छठ घाट के पास पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की मां ने बताया कि उनका बेटा खरना का प्रसाद भी नहीं खा पाया था, और रात को दोस्तों के साथ बाहर गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। पुलिस ने एक प्रत्यक्षदर्शी को हिरासत में लिया है और हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेजा गया है। घटना के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है।

'अगर बटेंगे तो सिलेंडर 1200 रुपये में मिलेगा और एक रहेंगे तो 400 रुपये में मिलेगा'- सपा और कांग्रेस

सीएम योगी के 'बटेंगे तो कटेंगे' बयान पर पोस्टरवार तेज

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे बयान के बाद प्रदेश में सत्ताधारी दल और विपक्ष के बीच पोस्टरवार की जंग बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के कार्यालय के बाहर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीरों वाले पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरों में लिखा है, अगर बटेंगे तो सिलेंडर 1200 रुपये में मिलेगा और एक रहेंगे तो 400 रुपये में मिलेगा। यह पोस्टर कांग्रेस नेता अजीत कुमार मौर्या द्वारा लगाया गया है।

सपा का जवाब: न बटेंगे न कटेंगे, एक रहेंगे

मुख्यमंत्री के बयान के बाद सपा ने जवाबी पोस्टर जारी किया, जिसमें कहा गया, न बटेंगे न कटेंगे, पीडीए संग रहेंगे। पीडीए का मतलब पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों से जोड़ते हुए पोस्टर में सभी धर्मों के लोगों की एकता का संदेश दिया गया है। पोस्टर में लिखा है, एकता में ही शक्ति है, बटेंगे तो महंगाई बढ़ेगी, एक रहेंगे तो राहत मिलेगी।

पीडीए की जीत होगी, एकता की जीत होगी

सपा प्रवक्ता अभिषेक बाजपेई द्वारा लगाए गए एक अन्य पोस्टर में लिखा गया है, रपीडीए की होगी जीत, एकता की होगी जीत। इस पोस्टर में समाज की गंगा-जमुनी तहजीब और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया गया है। यह पोस्टर सपा के समर्थकों में एकजुटता और भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगाया गया है। प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है, जिसके नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। विपक्ष के पोस्टरवार को उपचुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए एक रणनीतिक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

खेत में मिला हथियारों का पुराना जखीरा जांच में जुटे विशेषज्ञ

ढकिया तिवारी गांव में खेत की जोताई के दौरान हुआ खुलासा

एजेंसी । शाहजहांपुर

शाहजहांपुर जिले के निगोही क्षेत्र के ढकिया तिवारी गांव में एक किसान को खेत की जोताई करते समय पुराने हथियारों का जखीरा मिला है। इनमें तलवारें, बंदूकों की नालें और अन्य हथियार शामिल हैं, जिन पर काफी जंग लगा हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि ये हथियार लगभग 150 से 200 साल पुराने हो सकते हैं। घटना के बाद पुलिस और तहसील की टीम ने मौके का निरीक्षण किया और आगे की जांच की तैयारी कर रही है। गांव के बाबू राम अपने खेत की जोताई कर रहे थे, जब उनका हल एक ठोस वस्तु में अटक गया। जब उन्होंने उसे निकाला तो वहां कई पुरानी तलवारें दिखीं। आगे खोदाई करने पर उन्हें 20 तलवारें, दस सिंगल बैरल बंदूकों की नाल, एक दोनाली बंदूक की नाल, एक बरछी और दो तमंचे जैसे हथियार मिले। यह खबर पूरे गांव में फैल गई, और बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। बाबू राम ने बताया कि यह खेत उन्होंने 2011 में गांव के एक परिवार से खरीदा था। पहले यह जगह एक ऊंचे टीले जैसी थी, जिसे हाल ही में समतल कर जोताई के लिए तैयार किया गया था। गेहूं बोने के उद्देश्य से खेत की जोताई की जा रही थी, जिसमें अचानक यह हथियार निकल आए। एसएस कॉलेज के इतिहास विभाग के पुरातत्वविद् डॉ. दीपक सिंह का कहना है कि इन तलवारों में चांदी की मूठ लगी हुई बताई जा रही है।

यातायात सुधार के लिए एलिवेटेड रोड और रिंग रोड कनेक्टिविटी पर चर्चा

एयरपोर्ट और घंटाघर से सीधी कनेक्टिविटी

एजेंसी । कानपुर

जीटी रोड में बनने वाला एलिवेटेड रोड शहर के प्रमुख स्थानों को एयरपोर्ट और घंटाघर से जोड़ेगा। यातायात सुगम बनाने के लिए घंटाघर-टाटमिल रेलवे ओवरब्रिज को तीन लेन का करने का भी निर्णय लिया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य शहर के भीतरी हिस्सों और थोक बाजारों से दक्षिणी क्षेत्र, प्रयागराज

और लखनऊ की सीधी कनेक्टिविटी स्थापित करना है।

रिंग रोड का विस्तार, बिठूर तक कनेक्टिविटी

रिंग रोड को कानपुर के धार्मिक और पौराणिक स्थल बिठूर के पास मंधना-बिठूर राज्य मार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव दिया गया है। मंडलायुक्त अमित गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को हुई उच्च स्तरीय समग्र विकास समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया, जिसमें संबंधित विभागों को जनहित में रिंग रोड की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सर्वे और रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में 100 साल से अधिक पुराने घंटाघर-टाटमिल पुल पर यातायात दबाव को कम करने के लिए विस्तारीकरण का सुझाव दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इस दो लेन पुल को तीन लेन का बनाकर जीटी रोड के एलिवेटेड रोड से जोड़ने से क्षेत्रीय आवागमन में सुधार होगा। समिति के समन्वयक नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि इस कनेक्टिविटी से माल रोड, नयागंज और कलेक्टरगंज जैसे क्षेत्रों के लोगों को एयरपोर्ट और प्रयागराज मार्ग पर जाने में सुविधा होगी। जीटी रोड में चार लेन का एलिवेटेड रोड गोल चौराहे से रामादेवी तक जोड़ा जाएगा, जिससे प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग और एयरपोर्ट तक सीधी पहुंच संभव होगी। हेक्सा कंपनी को एलिवेटेड रोड का विस्तृत मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया गया है ताकि निर्माण कार्य शीघ्र शुरू हो सके।

बैठक में अनवरगंज से मंधना तक प्रस्तावित एलिवेटेड रेलवे ट्रैक परियोजना की समीक्षा की गई। एडीएम ने बताया कि रेलवे द्वारा चिह्नित जमीन का राजस्व परीक्षण चार दिन में पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद सेतु निगम और रेलवे के अधिकारियों द्वारा टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

एनएचएआई अधिकारियों ने बताया कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए रिंग रोड को 14 स्थानों से जोड़ा जाएगा। मंडलायुक्त ने पीडब्ल्यूडी और संबंधित विभागों को अतिरिक्त स्थानों की पहचान कर प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है।

राहुल गांधी के बयान पर मचा बवाल यूपी सरकार का पलटवार

अफसरों पर टिप्पणी बनी चर्चा का विषय

एजेंसी । रायबरेली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा रायबरेली में अफसरों को लेकर दिए गए एक बयान ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी के बयान को हास्यास्पद बताते हुए उन पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बैठक में राहुल गांधी ने अफसरों का परिचय नहीं लिया, बल्कि सभी अफसरों ने स्वयं अपना परिचय दिया था।

कांग्रेस पर दलित-पिछड़ों के साथ अन्याय का आरोप

दिनेश प्रताप सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी न्यायपालिका में दलित, ओबीसी और आदिवासी वर्ग के प्रतिनिधित्व की बात करते हैं, जबकि इन जजों की नियुक्ति कांग्रेस सरकार में ही हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने ही दलितों और पिछड़ों के साथ अन्याय किया है, जबकि मोदी और योगी सरकार में सभी के साथ न्याय हो रहा है। राहुल गांधी ने रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के दौरान प्रशासनिक असमानता का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि बैठक में उन्होंने अफसरों से परिचय देने को कहा, जिसमें उन्हें एक भी दलित या ओबीसी अधिकारी का नाम सुनाई नहीं दिया। इसके बाद उन्होंने दावा किया कि रायबरेली में लगभग 80 प्रतिशत अधिकारी दो विशेष जातियों से हैं, जो प्रशासनिक असमानता को दर्शाता है। दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके बयान का उद्देश्य देश में अशांति फैलाना है। उन्होंने कहा कि 1951 से कांग्रेस ने रायबरेली में किसी दलित या पिछड़े को टिकट नहीं दिया, जबकि वायनाड में भी दलित को टिकट नहीं दिया गया।

अवैध प्लॉटिंग पर प्रशासन का शिकंजाबुलडोजर से किया गया ध्वस्त

एजेंसी । लखनऊ

लखनऊ-अयोध्या मार्ग के बड़ेल क्षेत्र में प्रशासन ने अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ एक और बड़ा अभियान चलाया। आईएएस संयुक्त मजिस्ट्रेट आर जगत साईं के नेतृत्व में दो कंपनियों द्वारा की गई अवैध प्लॉटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त कराया गया। इनमें एक स्थल एएफजेपी पैराडाइज इंफ्रा लिमिटेड और दूसरा समृद्धि इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड का था। इनमें से एक मामले में पांच वर्ष पूर्व ही ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं हो सकी थी। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने बताया कि अवैध प्लॉटिंग स्थल पर

निर्माण ढहाने के साथ ही दोषियों पर कानूनी कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जमीन खरीदने से पहले प्लॉटिंग स्थल की वैधता की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। इसके लिए तहसील स्थित विनियमित क्षेत्र कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। योगी सरकार द्वारा अवैध कब्जों पर कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में बुधवार को भदोही के औराई तहसील क्षेत्र के अछवर गांव में चकमार्ग की भूमि पर अवैध निर्माण को हटाया गया। इस सार्वजनिक चकमार्ग पर अवैध रूप से पशुशाला बना ली गई थी, जिससे आवागमन बाधित हो रहा था। न्यायालय के निर्देश पर तहसीलदार औराई सुनील कुमार के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस टीम ने अतिक्रमण हटवाया। इससे पहले मंगलवार को केड़वड़िया रेलवे क्रॉसिंग के पास रेलवे प्रशासन ने भी अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। रेलवे सीनियर सेक्शन इंजीनियर माधोसिंह के अधीन टीम ने रेलवे जमीन पर किए गए अवैध निर्माण को बुलडोजर से हटाया, जिससे रेलवे की भूमि को मुक्त कराया गया।

ओवरब्रिज निर्माण के दौरान हादसा, एसएसबी निरीक्षक की मौत

गोरखपुर : चिलुआताल थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह निर्माणाधीन ओवरब्रिज पर हादसे में एसएसबी निरीक्षक विजेंद्र सिंह कोठारी (45) की मौत हो गई। हाइड्रा क्रेन से गर्डर उठाते समय चेन टूटने से गर्डर नीचे गिरा और उनकी बाइक पर गिरने से वे दब गए। उनके साथ बैठे मनय कुंडू गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद पुलिस, आरपीएफ और जीआरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और निरीक्षक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था न होने से यह दुर्घटना हुई, जिससे स्थानीय लोग आक्रोशित हैं।

ट्रेंट लिमिटेड के Q2 नतीजे: मुनाफा और रेवेन्यू में उछाल लेकिन शेयर में गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड ने गुरुवार (7 नवंबर) को अपनी दूसरी तिमाही (Q2FY25) के वित्तीय नतीजे जारी किए। कंपनी ने वर्ष दर वर्ष (YoY) आधार पर अपने मुनाफे में 47% और रेवेन्यू में 39% की वृद्धि दर्ज की। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 335 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 228 करोड़ रुपए था। इसी दौरान कंपनी का कुल रेवेन्यू 4157 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की तिमाही में 2982.4 करोड़ रुपए था। तिमाही के दौरान कंपनी का कामकाजी मुनाफा (EBITDA) 41% बढ़कर 642 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले साल यह 436.5 करोड़ रुपए था। इसी अवधि में कंपनी का मार्जिन 15.3% से बढ़कर 15.4% हो गया। हालांकि, कंपनी के नतीजे बाजार की उम्मीदों से कमजोर रहे, जिसके चलते ट्रेंट लिमिटेड के शेयर में भारी गिरावट आई। कारोबारी सेशन के दौरान शेयर 9% तक टूट गया और 7049.95 रुपए का उच्चतम स्तर देखने के बाद 6310 रुपए तक गिर गया। 6 नवंबर को शेयर 6953 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, ट्रेंट लिमिटेड के स्टॉक ने 2024 में अब तक निवेशकों को 115% का शानदार रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में इस शेयर ने 165% और दो साल में 325% का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। हालांकि, हालिया बाजार करेक्शन में इस शेयर में एक सप्ताह में 10% और एक महीने में 15% की गिरावट आई है।

जेट एयरवेज की संपत्तियों के बिक्री का आदेश

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी विशेष संवैधानिक शक्तियों का उपयोग करते हुए बंद पड़ी एविएशन कंपनी जेट एयरवेज की परिसंपत्तियों को बेचने का आदेश दिया। कोर्ट ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (NCLAT) द्वारा जेट एयरवेज की समाधान योजना को बरकरार रखने और इसके स्वामित्व को जालान कलरॉक कंसोर्टियम (JKC) को सौंपने के फैसले को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई, पंजाब नेशनल बैंक (PNB) और अन्य ऋणदाताओं की याचिका को स्वीकार करते हुए NCLAT के फैसले को रद्द कर दिया। इन बैंकों ने जेट एयरवेज की समाधान योजना को जालान कलरॉक कंसोर्टियम के पक्ष में रखने के निर्णय का विरोध किया था। कोर्ट ने कहा कि जेट एयरवेज का परिसमापन कंपनी के सभी लेनदारों, श्रमिकों और अन्य हितधारकों के लिए फायदेमंद होगा। परिसमापन के तहत कंपनी की संपत्तियों को बेचकर प्राप्त धन से ऋणों का भुगतान किया जाएगा। कोर्ट ने NCLAT को फटकार भी लगाई और इसे अपनी प्रक्रिया को सुधारने की सलाह दी।

शेयर बाजार में गिरावट सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर बंद

बीएसई सेंसेक्स 836 अंक गिरकर 79,541 पर

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के शेयर बाजार में आज (07 नवंबर 2024) कारोबार के चौथे दिन गिरावट देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 836.34 अंक (1.04%) गिरकर 79,541.79 पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी भी 284.70 अंक (1.16%) गिरकर 24,199.35 के स्तर पर रहा। आज के कारोबार में 1733 शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि 2057 शेयरों में गिरावट आई। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ट्रेंट, श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा और ग्रासिम इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं, अपोलो हॉस्पिटल्स, एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई, टीसीएस और एलएंडटी के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 29 के शेयर गिरावट में रहे। टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील और सनफार्मा प्रमुख गिरने वाले शेयरों में शामिल रहे। एकमात्र शेयर जो हरे निशान में बंद हुआ, वह एसबीआई था। भारतीय रुपया गुरुवार को नए रिकॉर्ड निम्नतम स्तर 84.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि कल यह 84.28 प्रति डॉलर पर था। आज सुबह रुपया 84.27 प्रति डॉलर पर स्थिर खुला था। प्री-ओपनिंग सत्र के दौरान बेंचमार्क सूचकांक में हल्की बढ़त रही।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का शुद्ध लाभ 35% बढ़ा, 3,171 करोड़ रुपए

एजेंसी । नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में अपने एकीकृत शुद्ध लाभ में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध लाभ 3,171 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 2,348 करोड़ रुपए था। कंपनी का एकीकृत राजस्व दूसरी तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 37,924 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 34,436 करोड़ रुपए था। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (CEO) अनीश शाह ने कहा, ₹हमारे विभिन्न व्यवसायों ने इस तिमाही में अच्छा प्रदर्शन किया है। मोटर वाहन और कृषि क्षेत्र में हमारे उत्पादों ने बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई और मुनाफा भी बढ़ाया, जिससे हमारा नेतृत्व मजबूत हुआ है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के मोटर वाहन खंड ने तिमाही में 2.31 लाख वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही से 9 प्रतिशत अधिक है। वहीं यूटिलिटी वाहनों की बिक्री भी 1.36 लाख रही, जो एक रिकॉर्ड है। कृषि क्षेत्र में, कंपनी ने 42.5 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जो अब तक की सबसे अधिक है। इसके साथ ही कृषि उत्पादों की बिक्री भी 92,000 इकाई तक पहुंची, जो पिछले साल से चार प्रतिशत अधिक है।

भारती टेलीकॉम ने इंडियन कॉन्टिनेंट से 1.2% हिस्सेदारी खरीदी

11,680 करोड़ रुपए का अनुमानित लेनदेन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारती टेलीकॉम ने अपनी निवेश कंपनी इंडियन कॉन्टिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड से भारती एयरटेल में करीब 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का फैसला लिया है। हालांकि कंपनी ने इस लेनदेन के मौद्रिक मूल्य का खुलासा नहीं किया, लेकिन बीएसई में भारती एयरटेल के बंद भाव 1,598.75 रुपए प्रति शेयर के आधार पर हिस्सेदारी की कीमत 11,680 करोड़ रुपए के आसपास होने का अनुमान है। यह लेनदेन 'ऑफ-मार्केट' तरीके से हुआ, जिसके बाद भारती टेलीकॉम की भारती एयरटेल में हिस्सेदारी बढ़कर 40.33 प्रतिशत हो जाएगी। वहीं, इंडियन कॉन्टिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड की हिस्सेदारी 3.31 प्रतिशत हो जाएगी।

खनिज ब्लॉकों की नीलामी वेदांता को चार ओआईएल को एक ब्लॉक मिला

एजेंसी । नई दिल्ली

महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी के चौथे दौर में वेदांता समूह ने चार ब्लॉक हासिल किए हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश में वैनेडियम और ग्रेफाइट खदानें, जबकि कर्नाटक में कोबाल्ट, मैंगनीज और लौह खदान शामिल हैं। इसके अलावा, वेदांता की अनुषंगी कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) को आंध्र प्रदेश में टंगस्टन और संबंधित खनिजों का ब्लॉक और तमिलनाडु में एक अन्य टंगस्टन खदान मिली है। सरकारी स्वामित्व वाली ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) ने अरुणाचल प्रदेश में एक ग्रेफाइट और वैनेडियम ब्लॉक हासिल किया है। इस नीलामी में अन्य कंपनियों जैसे मैम्को माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड और उड़ीसा मेटालिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने भी हिस्सा लिया और खनिज ब्लॉक हासिल किए। खनन मंत्रालय ने बताया कि इस नीलामी के चौथे चरण में कुल आठ महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी पूरी कर ली गई है। इनमें फॉस्फोराइट, ग्रेफाइट और वैनेडियम जैसे रणनीतिक खनिज शामिल हैं, जिनका उपयोग उच्च प्रौद्योगिकी और हरित ऊर्जा में किया जाता है। इस नीलामी में 21 खनिज ब्लॉकों के लिए निविदा मंगाई गई थी और उद्योग जगत में इसके लिए अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

टी-20 सीरीज

सैमसन, अभिषेक और रमनदीप के प्रदर्शन पर रहेगी निगाह

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज

युवा ब्रिगेड का होगा इम्तिहान

नंबर गेम

- 9 मैच दक्षिण अफ्रीका में दोनों खेले हैं जिसमें से भारत ने छह और मेजबान टीम ने तीन जीते हैं
- 21 रन दूर हैं रिंकू पांच सौ रन पूरे करने से। वह 59 .87 की औसत से 26 मैच में 479 रन बना चुके हैं

संजू-अभिषेक करेंगे ओपनिंग

संजू और अभिषेक की जोड़ी एक बार फिर ओपनिंग करेगी। इन दोनों ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में पारी का आगाज किया था। संजू ने टीम प्रबंधन के फैसले को सही साबित करते हुए 50 की औसत से सर्वाधिक 150 रन बनाए थे। इसमें करियर का पहला टी-20 शतक भी शामिल था। रोहित इस प्रारूप से संन्यास ले चुके हैं और ऐसे में संजू कुछ अच्छी पारियां खेल कर शीर्ष क्रम में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेंगे। वहीं, अभिषेक के लिए यह सीरीज अहम है। जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में शतक जड़ने के बाद वह रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उन्हें अपनी जगह पक्की करने के लिए अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। वह बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज के रूप में भी छाप छोड़ना चाहेंगे।

आमने-सामने

कुल मैच :	27
भारत जीता :	15
दक्षिण अफ्रीका जीता :	11
बेनतीजा :	1

तिलक के पास भी मौका

हैदराबाद के ऑलराउंडर तिलक के पास भी खुद को साबित करने का यह अच्छा मौका है। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पदार्पण में दम दिखाने के बाद से बेदम रहा है। वह 16 मैच में 33 .60 की औसत से सिर्फ 336 रन बना पाए हैं। इसमें दो अर्धशतक है। पिछला पचासा उन्होंने अक्तूबर 2023 में एशियाई में जड़ा था। वह बल्ले के साथ अपनी फिरकी का भी जादू बिखरेने को बेताब होगा।

एजेंसी । डरबन

भारतीय युवा ब्रिगेड का स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कड़ा इम्तिहान होगा। दोनों के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही चार मैचों की टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करन युवा खिलाड़ियों के पास छाप छोड़ने का यह अच्छा मौका होगा। निगाह संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा के साथ ही पहली बार टीम के शामिल किए गए यश दयाल, विजयकुमार विशक और रमनदीप सिंह पर भी रहेंगी। दक्षिण अफ्रीका को उसके घर में शिकस्त देने के लिए सूर्यकुमार एंड कंपनी को दे दनादन रन बरसाने होंगे। दक्षिण अफ्रीकी टीम जून में विश्व कप के फाइनल में भारत के हाथों मिली हार को भूली नहीं होगी। वह घर में भारतीय टीम को मात देकर उस हार का गम कुछ कम करना चाहेगी।

टीमें

- **भारत :** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, हार्दिक, अक्षर, रमनदीप, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक, आवेश खान, यश दयाल।
- **दक्षिण अफ्रीका :** एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, यानसेन, क्लासेन, पैट्रिक क्रुगर, केशव, मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन, एंडिले सिमलेन,ट्रिस्टन स्टब्स।

अर्शदीप और जितेश दिखाएंगे दम

विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा बल्ले तो और अर्शदीप गेंद से दम दिखाएंगे। सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर यह दोनों मेगा नीलामी से पहले आईपीएल फ्रेंचाइजी को भी प्रभावित करना चाहेंगे। इन दोनों के साथ विशाक और आवेश भी टीमों की निगाह रहेगी। इन चारों को फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी फिरकी का जादू जारी रखना चाहेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने प्रभावित किया था। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले रमनदीप भी अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

क्लासेन और मार्कराम में है दम

भारतीय गेंदबाजों को क्लासेन, मिलर और मार्कराम को बड़ी पारियां खेलने से रोकना होगा। अगर इनका बल्ला चला तो फिर भारत के लिए राह काफी मुश्किल होगी। हेंड्रिक्स, यानसेन, कोएत्जी और बार्टमैन भी मैच का रुख बदलने का दम रखते हैं।

17 साल बाद डरवन में टक्कर

दोनों टीमें 17 साल बाद डरवन में टकराएंगी। इससे पहले 2007 में विश्व कप के दौरान खेले एकमात्र मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 37 रन से हराया था। भारत टीम यहां कोई मुकाबला नहीं हारी है। पांच मुकाबलों में से तीन जीते हैं। जबकि पाक के खिलाफ एक मुकाबला टाई रहा है। स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच बेनतीजा रहा है। ये सभी मैच पहले टी-20 विश्व कप के दौरान हीं खेले गए थे। दक्षिण अफ्रीका की टीम यहां पिछले आठ साल से जीती नहीं है। उसे यहां पिछली जीत मार्च 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन विकेट से मिली थी। उसके बाद चार मैच खेले और सभी हारे।

सूर्य 150 छक्कों से छह दूर

सूर्यकुमार टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 छक्के पूरे करने वाले दूसरे भारतीय और दुनिया के तीसरे क्रिकेटर बनने से छह छक्के दूर हैं। वह अब तक 144 छक्के लगा चुके हैं। रोहित शर्मा (205) और न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल (173) ही अभी तक यह उपलब्धि हासिल कर पाए हैं। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन के भी सूर्य के बराबर छक्के हैं। सूर्य की कप्तानी में टीम ने 13 मुकाबलों में

से 10 जीते हैं। दो हारे और एक टाई रहा है। वह एक और जीत दर्ज करते हुए टीम के चौथे सबसे सफल कप्तान बन जाएंगे। वह इस मामले में हार्दिक पांड्या (16 मैच, 10 जीत) को पीछे छोड़ देंगे। रोहित की कप्तानी में सर्वाधिक 49 मैच जीते हैं। धौनी (41) दूसरे और कोहली (30) तीसरे नंबर पर हैं।

टीम इंडिया जल्द वापसी करेगी : लैथम

एजेंसी । वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम हाल ही में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बावजूद विनम्र बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम जल्द से जल्द शानदार वापसी करने की क्षमता रखती है। लैथम ने गुरुवार को कहा, भारतीय क्रिकेट वास्तव में खास है। हमने उनके खिलाफ काफी क्रिकेट खेली है। हमारे खिलाड़ी आईपीएल में उनके साथ खेलते हैं। वे इस हार से निश्चित तौर पर निराश थे लेकिन उनकी टीम अब भी बहुत अच्छी है। एक सीरीज में हार से वह रातों-रात खराब टीम नहीं बन जाती। मुझे पूरा विश्वास है कि वे चीजों को बदलने में सफल रहेंगे। लैथम ने कहा कि सीरीज में जीत इसलिए भी विशेष बन गई क्योंकि भारत आने से पहले न्यूजीलैंड को श्रीलंका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। हमने इस जीत का मिलकर जश्न मनाया। न्यूजीलैंड अब घरेलू मैदान पर तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड से भिड़ेगा। लैथम ने कहा कि क्रिकेट के 'बैजबॉल' ब्रांड का सामना करना उनकी टीम के लिए अलग तरह की चुनौती होगी।

विशाखापत्तनम में बैडमिंटन अकादमी स्थापित करेंगी सिंधु

एजेंसी । विशाखापत्तनम

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु की स्वप्निल परियोजना बैडमिंटन और खेल उत्कृष्टता के लिए 'पीवी सिंधु केंद्र विशाखापत्तनम में स्थापित किया जाएगा। इस केंद्र में बैडमिंटन के अलावा अन्य खेलों के खिलाड़ियों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसे आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। सिंधु ने इसके लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का आभार व्यक्त किया। सिंधु ने जारी बयान में कहा, मैं विशाखापत्तनम के लोगों के लिए इस केंद्र को स्थापित करने के लिए वास्तव में आभार व्यक्त करती हूं। इस खेल केंद्र की स्थापना के लिए इससे बेहतर स्थान नहीं हो सकता।

किरण जॉर्ज कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी । इकसान सिटी

भारत के किरण जॉर्ज ने कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को यहां तीसरे वरीय चीनी ताइपे के ची यू जेन को तीन गेम में शिकस्त दे दी। 24 वर्षीय भारतीय किरण ने दुनिया के 31वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के जेन को दूसरे दौर के मुकाबले में एक घंटे और 15 मिनट में 21-17, 19-21, 21-17 से से पराजित किया। दुनिया के 44वें नंबर के खिलाड़ी किरण क्वार्टर फाइनल में पांचवें वरीयता प्राप्त जापान के ताकुमा ओबायाशी से भिड़ेंगे।

'द मैजिक ऑफ शिरी' का ट्रेलर जारी

छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी पिछले लंबे समय से अपनी आगामी वेब सीरीज 'द मैजिक ऑफ शिरी' को लेकर चर्चा में हैं। जावेद जाफरी भी इस सीरीज में अभिनय करते नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने 'द मैजिक ऑफ शिरी' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। उनकी अदाकारी की लोग जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

कुछ ऐसी है वेब सीरीज की कहानी

'द मैजिक ऑफ शिरी' की कहानी एक घरेलू महिला के संघर्ष को दिखाती है, जो घरेलू कामकाजी की दुनिया से निकलकर ऐसा काम करना चाहती है, जिसमें उसकी दिलचस्पी है। दास नमिता भी इस सीरीज का अहम हिस्सा हैं। निर्माताओं ने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'शहर की नई जादूगर शिरी से मिलें। ढेर सारी मस्ती और जादू के साथ आने वाली है शिरी टिक-टिक-धूम मचाने।' 'द मैजिक ऑफ शिरी' का प्रीमियर 14 नवंबर से जियो सिनेमा पर होगा।

'ठग लाइफ' को मिली रिलीज तारीख

पिछले लंबे समय से अभिनेता कमल हासन अपनी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान 'दिल से' और 'पोन्नियिन सेल्वन' जैसी फिल्मों का निर्देशक मणिरत्नम ने संभाली है। 7 नवंबर को कमल अपना 70वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने अपनी फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। फिल्म का नया पोस्टर भी सामने आ चुका है। 'ठग लाइफ' को 5 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। 'नायकन' के बाद कमल और मणिरत्नम के बाद 'ठग लाइफ' दूसरा सहयोग है। इस फिल्म की कहानी कमल और मणिरत्नम ने मिलकर लिखी है। फिल्म में दुलकर सलमान भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। जयम रवि, तृषा, अभिरामी और नासिर भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

'नाम' का ट्रेलर जारी

अजय देवगन इन दिनों फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आ रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर उनकी यह फिल्म मजबूत पकड़ बनाए हुए है। घटती कमाई के बावजूद उनकी यह फिल्म टिकट खिड़की पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 'सिंघम अगेन' के सिनेमाघरों में दस्तक देने से पहले ही अजय ने अपनी नई फिल्म 'नाम' का ऐलान किया था। इसके लिए उन्होंने निर्देशक अनीस बज्मी से हाथ मिलाया है, जिसका अब ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें जहां अजय अपने अवतार और अभिनय से दिल जीत रहे हैं, वहीं अभिनेत्री समीरा रेड्डी को देखकर भी प्रशंसकों का दिल खुश हो जाएगा। उधर ट्रेलर में अभिनेत्री भूमिका चावला की अहम भूमिका निभाती दिख रही हैं। राजपाल यादव भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, वहीं अजय का ऐशन अवतार भी देखने लायक है। अजय का ये अवतार उनके प्रशंसकों को तो यकीनन पसंद आने वाला है।

22 नवंबर को रिलीज हो रही फिल्म

अनिल रुंगटा इस फिल्म के निर्माता, वहीं 'भूल भुलैया 3' के निर्देशक अनीस बज्मी इसके निर्देशक हैं। कई बार टलने के बाद अब यह फिल्म 22 नवंबर को बड़े पर्दे पर आने वाली है। यह एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी याददाश्त खो देता है और अपनी पहचान खोजने के लिए यात्रा पर निकल पड़ता है। ट्रेलर में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है। इस फिल्म की शूटिंग स्विट्जरलैंड और मुंबई में हुई है। अनीस और अजय पहले भी साथ काम कर चुके हैं। 1998 में फिल्म 'प्यार तो होना ही था' के लिए दोनों पहली बार साथ आए थे। 7 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस फिल्म ने 38 करोड़ रुपये कमाए थे। इसके बाद 2002 में उनकी फिल्म 'दीवानगी' भी हिट रही। अनीस और अजय की आखिरी फिल्म 'हलचल' थी, जो 2004 में आई थी और 10 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 32 करोड़ रुपये कमाए थे।

'सिकंदर का मुकद्दर' का पहला पोस्टर आया सामने

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मौजूदा वक्त में अपनी आगामी फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ जिमी शेरगिल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अविनाश तिवारी भी इस फिल्म का अहस हिस्सा हैं। अजय देवगन और तब्बू की फिल्म 'औरों में कहां दम था' का निर्देशन कर चुके नीरज पांडे ने 'सिकंदर का मुकद्दर' के निर्देशन की कमान संभाली है। अब 'सिकंदर का मुकद्दर' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। 'सिकंदर का मुकद्दर' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को आप 29 नवंबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। इसके साथ 'सिकंदर का मुकद्दर' का पहला पोस्टर भी सामने आ चुका है।

'घाटी' से अनुष्का शेट्टी की पहली झलक आई सामने

दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी आज यानी 7 नवंबर को अपना 43वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर उनके प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिला है। दरअसल, अनुष्का के जन्मदिन पर फिल्म 'घाटी' से उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है, जिसमें अभिनेत्री का धांसू अवतार दिखाई दे रहा है। 'बाहुबली' के बाद यह अनुष्का की दूसरी एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी समेत तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

निर्माताओं ने पोस्टर साझा कर अनुष्का को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने बताया कि 'घाटी' का पहला वीडियो शाम 4:05 बजे रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के निर्देशन की कमान कृष जगरलामुदी ने संभाली है। कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है।

सीट वॉर

» अमित बृज

बल्लारपुर विधानसभा सीट

जीत का चौका लगा पाएगी भाजपा?

महाराष्ट्र में कई ऐसी सीटें हैं जहां पर कांटे का मुकाबला देखने को मिल सकता है। इन्हीं में से एक सीट है बल्लारपुर जो कि राज्य के चंद्रपुर जिले और लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। आइए जानते हैं बल्लारपुर विधानसभा सीट का पूरा समीकरण।

जानें बल्लारपुर सीट का समीकरण

बल्लारपुर विधानसभा सीट महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में से एक है और इसकी क्षेत्रवार संख्या 72 है। ये एक जनरल सीट है। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) निर्वाचन क्षेत्र में प्रमुख दल हैं। चुनाव आयोग के डेटा के मुताबिक, साल 2019 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,00,789 मतदाता थे। इनमें से 1,04,109 पुरुष और 95,648 महिला मतदाता थीं। क्षेत्र में केवल एक मतदाता तृतीय लिंग का था। इस सीट से भाजपा के मुनगंटीवार सुधीर सच्चिदानंद वर्तमान में विधायक हैं।

किसके बीच मुकाबला?

महाराष्ट्र की बल्लारपुर विधानसभा सीट को काफी अहम माना जाता है। इस बार भी मुकाबला मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस के बीच होने जा रहा है। कांग्रेस ने बल्लारपुर से संतोष सिंह रावत को टिकट दिया है। वहीं, भाजपा ने एक बार फिर से इस सीट पर मुनगंटीवार सुधीर सच्चिदानंद को ही मैदान में उतारा है। बता दें कि इस सीट पर वोटिंग 20 नवंबर को होगी और रिजल्ट 23 नवंबर को सामने आएगा।

बल्लारपुर विधानसभा में पिछले विजेता

2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में, भाजपा उम्मीदवार मुंगंटीवार सुधीर सच्चिदानंद ने 33,240 वोटों (16.71%) के मामूली अंतर से सीट जीती। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार डॉ विश्वास आनंदराव झाडे को हराया था।

2019	मुनगंटीवार सुधीर सच्चिदानंद	भाजपा
2014	मुनगंटीवार सुधीर सच्चिदानंद	भाजपा
2009	मुनगंटीवार सुधीर सच्चिदानंद	भाजपा

ब्रम्हपुरी सीट : कांग्रेस से ब्रम्हपुरी सीट वापस छीन पाएगी BJP?

इस चुनाव में राज्य की ब्रम्हपुरी विधानसभा सीट पर कांटे की टक्कर मानी जा रही है। इस सीट पर भाजपा और कांग्रेस की बीच सीधी टक्कर होने वाली है। आइए जानते हैं ब्रम्हपुरी विधानसभा सीट का पूरा सियासी समीकरण।

क्या है ब्रम्हपुरी का समीकरण?

ब्रम्हपुरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र महाराष्ट्र के 288 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है। इसका निर्वाचन क्षेत्र संख्या 73 है और ये एक जनरल सीट है। ब्रम्हपुरी सीट महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में स्थित है जो कि गढ़चिरौली-चिमूर लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। चुनाव आयोग के मुताबिक, साल 2019 में चुनाव के वक्त ब्रम्हपुरी विधानसभा क्षेत्र में कुल 1,93,550 वोटर्स थे। इनमें से 95,563 पुरुष और 96,672 महिला वोटर्स थीं। इस सीट से वर्तमान में कांग्रेस के विजय नामदेवराव वेडट्टीवार विधायक हैं।

कौन हैं ब्रम्हपुरी से इस बार उम्मीदवार?

ब्रम्हपुरी क्षेत्र में भाजपा, कांग्रेस, वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख पार्टियां हैं। हालांकि, इस बार भी रेस भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मानी जा रही है। कांग्रेस ने एक बार फिर से यहां वर्तमान विधायक विजय नामदेवराव वेडट्टीवार को टिकट दिया है। वहीं, भाजपा ने कृष्णलाल बाजीराव सहारे को मैदान में उतारा है। इस सीट पर चुनाव 20 नवंबर को होंगे और परिणाम 23 नवंबर को आएंगे। ब्रम्हपुरी विधानसभा सीट से बीते दो चुनाव से कांग्रेस को जीत मिल रही है। साल 2014 और 2019 दोनों ही विधानसभा में कांग्रेस के विजय नामदेवराव वेडट्टीवार ने चुनाव जीता था। इससे पहले लगातार तीन चुनावों तक इस सीट पर भाजपा का कब्जा रहा था। ब्रम्हपुरी से पिछले चुनावों में जीतने वाले उम्मीदवारों की लिस्ट- :

2019	विजय नामदेवराव वडेट्टीवार	कांग्रेस
2014	विजय नामदेवराव वडेट्टीवार	कांग्रेस
2009	अतुल देवीदास देशकर	भाजपा
2004	अतुल देवीदास देशकर	भाजपा

ग्राउंड रिपोर्ट : मीरा-भायंदर सीट

मीरा-भायंदर सीट पर होगा त्रिकोणीय मुकाबला

नरेंद्र मेहता | उम्र - 52

निर्वाचन क्षेत्र : मीरा भायंदर

बीजेपी

कुल संपत्ति 2024

46,49,48,714

शिक्षा: आठवीं पास

मामला दर्ज: 18

अचल संपत्ति: 71,12,118

चल संपत्ति: 45,78,36,596

मुझफ्फर हुसैन | उम्र - 58

निर्वाचन क्षेत्र : मीरा भायंदर

कांग्रेस

कुल संपत्ति 2024

74,36,29,265

शिक्षा: बी.कॉम

मामला दर्ज: 1

अचल संपत्ति: 6,71 ,83, 965

चल संपत्ति: 67,64,45,300

गीता जैन | उम्र - 60

निर्वाचन क्षेत्र : मीरा भायंदर

अपक्ष

कुल संपत्ति 2024

5,61,09,285

शिक्षा: एच.एस.सी, डी.एम.एल.टी .

मामला दर्ज: 4

अचल संपत्ति: 85,51,000

चल संपत्ति: 4,75,58,285

उत्तर भारतीय और जैन वोट होंगे निर्णायक

ग्राउंड रिपोर्ट

धीरज सिंह

मीरा-भायंदर विधानसभा सीट पर इस बार त्रिकोणीय मुकाबला दिलचस्प होता दिख रहा है। मौजूदा विधायक गीता भरत जैन, जो इस बार निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं, बीजेपी के नरेंद्र मेहता और कांग्रेस के मुजफ्फर हुसैन से कड़ी टक्कर लेंगी। इस निर्वाचन क्षेत्र में 5 लाख 7 हजार 452 मतदाता हैं, जिनमें प्रमुख रूप से हिंदू मतदाताओं की संख्या 70% है, जबकि मुस्लिम 17%, ईसाई 5%, जैन 8%, बौद्ध 1.86%, सिख 0.53% और अन्य 0.14% हैं। हिंदू बहुल इस क्षेत्र में उत्तर भारतीय, जैन और मारवाड़ी समुदायों के वोट हमेशा हार-जीत में अहम भूमिका निभाते आए हैं। इसके अलावा, हाल ही में इस निर्वाचन क्षेत्र में 55 हजार नए मतदाताओं के जुड़ने से मुकाबला और भी कड़ा हो गया है। इन नए वोटरों का समर्थन किस ओर जाएगा, यह चुनाव परिणाम में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इस सीट से कुल 17 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें से 15 गैर-मुस्लिम और 2 मुस्लिम उम्मीदवार हैं। साथ ही, 9 निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें गीता जैन एक प्रमुख चेहरा हैं। इस तिकोने मुकाबले में समुदायों के साथ-साथ जातीय समीकरण भी प्रभाव डाल सकते हैं, जिससे यह सीट चुनावी विश्लेषकों के लिए एक रोचक विषय बनी हुई है।

2019 की तुलना में घटा महायुति का वोट

मीरा-भायंदर विधानसभा क्षेत्र में हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों में महायुति के उम्मीदवार नरेश म्हस्के को केवल 40,650 वोटों की बढ़त मिली, जबकि 2019 में महायुति के उम्मीदवार राजन विचारे को इस क्षेत्र से 69,220 वोटों की लीड मिली थी। इस तरह नरेश म्हस्के को 2019 की तुलना में 28,570 वोट कम मिले हैं। यह वोटों की गिरावट शिवसेना में हुए विभाजन का परिणाम मानी जा रही है। शिवसेना के उद्धव और शिंदे गुट में बंटवारे के बाद मतदाताओं का समर्थन बंट गया है, जिससे महायुति को क्षेत्र में अपेक्षित बढ़त नहीं मिल पाई। शिवसेना का विभाजन और दोनों गुटों के बीच मतदाताओं का बंटवारा विधानसभा चुनाव में भी महायुति के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है, खासकर जब निर्दलीय उम्मीदवार गीता जैन भी मैदान में हैं, जो पहले शिवसेना से जुड़ी हुई थीं।

धुंआधार प्रचार में जुटे तीनों उम्मीदवार

मीरा-भायंदर विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान जोरों पर है, और तीनों प्रमुख उम्मीदवार—निर्दलीय गीता भरत जैन, भाजपा के उम्मीदवार, और कांग्रेस के मुजफ्फर हुसैन—पूरी ताकत से मतदाताओं तक पहुँचने में लगे हुए हैं। गीता जैन अपने समर्थकों के साथ गली-गली जाकर छोटी सभाओं के माध्यम से लोगों से संवाद कर रही हैं। वहीं, भाजपा उम्मीदवार रेलवे स्टेशन, बस डिपो, गार्डन जैसे सार्वजनिक स्थलों पर मतदाताओं से सीधे मिलकर समर्थन मांग रहे हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस के मुजफ्फर हुसैन नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इस चुनाव में एक दिलचस्प त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है, जहां हर उम्मीदवार को अपने-अपने मोर्चों पर दो-दो विरोधियों का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा और शिंदे गुट के गठबंधन (महायुति) के उम्मीदवार को महाविकास आघाड़ी के कांग्रेस प्रत्याशी से सीधी टक्कर मिल रही है, जबकि निर्दलीय गीता जैन एक स्वतंत्र और लोकप्रिय चेहरा बनकर दोनों गठबंधनों को चुनौती दे रही हैं।

ये हैं इस निर्वाचन क्षेत्र के स्थानीय मुद्दे

- मीरा-भायंदर विधानसभा क्षेत्र, जो कि तेजी से शहरीकरण और विकास की ओर बढ़ रहा है, कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव में ये स्थानीय मुद्दे निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि ये सीधे तौर पर लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर प्रभाव डालते हैं। यहां के प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित हैं :
- **जल संकट :** सूर्या प्रकल्प से जलापूर्ति शुरू न होने के कारण क्षेत्र में पानी की किल्लत बनी हुई है, जिससे निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- **ट्रैफिक जाम :** तेजी से बढ़ती जनसंख्या और वाहन संख्या के चलते ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या बन गई है, खासकर पिक आवर्स में।
- **अवैध फेरीवाले :** अवैध फेरीवालों की बढ़ती संख्या से न केवल ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है, बल्कि बाजार क्षेत्र और फुटपाथों पर भीड़भाड़ बढ़ रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को असुविधा होती है।
- **मेट्रो कार्य में बाधा :** मेट्रो परियोजना को गति देने के लिए जरूरी समर्थन और सुविधाएं अभी पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं, जिससे मेट्रो का काम धीमी गति से चल रहा है।
- **आरक्षित भूखंडों की सुरक्षा :** मनपा के आरक्षित भूखंडों की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। भूखंडों पर अवैध कब्जे की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे सार्वजनिक सुविधाओं के लिए जमीन की उपलब्धता प्रभावित हो रही है।
- **मनपा मार्केट की व्यवस्था :** मनपा मार्केट में उचित व्यवस्था और रखरखाव की कमी है, जिससे वहां के व्यापारियों और ग्राहकों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
- **सरकारी अस्पताल में सुविधाओं का अभाव :** सरकारी अस्पतालों में समुचित स्वास्थ्य सुविधाओं और संसाधनों की कमी होने से नागरिकों को इलाज में कठिनाई होती है।
- **मनपा संपत्तियों पर ठेकेदारों का कब्जा :** ठेकेदारों द्वारा मनपा की संपत्तियों पर कब्जा होने से स्थानीय प्रशासन और नागरिक सुविधाओं पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।
- **पुरानी इमारतों का पुनर्विकास :** क्षेत्र की कई पुरानी इमारतें जर्जर स्थिति में हैं, जिनका पुनर्विकास आवश्यक है, लेकिन इस पर उचित ध्यान नहीं दिया गया है।
- **डंपिंग ग्राउंड :** क्षेत्र में डंपिंग ग्राउंड की समस्या भी गंभीर है, जिससे पर्यावरण और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

इस सीट पर बदलते रहे विधायक

- मीरा-भायंदर विधानसभा सीट, जो परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई, ने अब तक तीन चुनाव देखे हैं और हर बार अलग विधायक चुने गए हैं। इस सीट पर राजनीतिक सत्ता का संतुलन लगातार बदलता रहा है, जो मतदाताओं के रुझान में बदलाव और स्थानीय मुद्दों के प्रति उनकी जागरूकता को दर्शाता है।
- **2009 :** पहले चुनाव में एनसीपी के गिलबर्ट मेंडोंसा ने बीजेपी के नरेंद्र मेहता को 10,604 मतों से पराजित कर जीत हासिल की। यह उस समय एनसीपी की प्रभावी उपस्थिति का संकेत था।
- **2014 :** दूसरे चुनाव में बीजेपी के नरेंद्र मेहता ने बढ़त बनाते हुए एनसीपी के गिलबर्ट मेंडोंसा को 32,292 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह परिणाम बीजेपी की बढ़ती लोकप्रियता और समर्थन का प्रतीक था।
- **2019 :** तीसरे चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार गीता भरत जैन ने बीजेपी के नरेंद्र मेहता को 15,526 मतों से हराया। यह परिणाम दर्शाता है कि निर्दलीय उम्मीदवार भी प्रभावशाली हो सकते हैं, खासकर जब स्थानीय मुद्दों और व्यक्तिगत छवि का बड़ा असर हो।

विधानसभा क्षेत्र में वोटरों की संख्या

5,07,452 कुल मतदाता

2,66,235 पुरुष मतदाता

2,41,213 महिला मतदाता

मीरा-भायंदर सीट पर 2019 के नतीजे

गीता भरत जैन (निर्दलीय)
79,575 (37.6%)

नरेंद्र मेहता (बीजेपी)
64,049 (30.26%)

मुजफ्फर हुसैन (कांग्रेस)
55,939 (26.43%)

किसके खाते में जाएगी धारावी सीट?

धारावी महाराष्ट्र की महत्वपूर्ण विधानसभा सीट है, जहां 2019 में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। धारावी विधानसभा सीट महाराष्ट्र के मुंबई सिटी जिले में आती है। 2019 में धारवी में कुल 45.31 प्रतिशत वोट पड़े। 2019 में इंडियन नेशनल कांग्रेस से सुश्री वर्षा एकनाथ गायकवाड़ ने शिवसेना के आशीष वसंत मोर को 11824 वोटों के मार्जिन से हराया था। इस सीट की खासियत यह है कि यह एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती, धारावी, को अपने क्षेत्र में समेटे हुए है, जो सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। धारावी का राजनीतिक इतिहास कांग्रेस और शिवसेना के बीच बदलते वर्चस्व का गवाह रहा है। यहां समय-समय पर दोनों दलों ने अपनी ताकत साबित की है। धारावी मुंबई शहर जिले में स्थित 10 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है। वर्ष 2009 में यहां मतदाताओं की संख्या 268,779 थी, जिसमें पुरुष 152,013 और महिला 116,766 थी। 113,732 अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाता थें।

धारावी विधानसभा सीट पर 2019 का हाल

विधानसभा चुनाव 2019 की बात करें तो धारावी सीट से कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ ने 53,954 वोटों से जीत हासिल की थी। उन्होंने शिवसेना के आशीष मोरे को हराया, जिन्हें 42,093 वोट मिले थे। वहीं, AIMIM के मनोज संसारे 13,097 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 2014 में भी कांग्रेस की टीकट पर वर्षा गायकवाड़ 47,718 वोटों से जीती थी।

वर्षा गायकवाड़ का दबदबा

2004, 2009, 2014 और 2019 के विधानसभा चुनावों में एकनाथ गायकवाड़ की बेटी वर्षा गायकवाड़ ने कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया और लगातार चार बार इस सीट पर जीत दर्ज की। वर्षा गायकवाड़ धारावी की जनता के बीच एक लोकप्रिय चेहरा रही हैं। वर्षा गायकवाड़ ने शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में भी कई प्रयास किए, जिससे उन्हें धारावी में काफी समर्थन मिला।

संघ की माइक्रो लेवल की तैयारी, नागपुर का किला भेद पाएगी कांग्रेस?

रणनीति

लोकसभा चुनाव में मिली सफलता को महाविकास आघाडी (एमवीए) नागपुर जिले में भुनाना चाह रही है। नागपुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुख्यालय है, ऐसे में एमवीए देशभर को मेसेज देना चाहती है कि उसने आरएसएस का गढ़ भेद दिया। यही वजह है कि यहां प्रचार के लिए राहुल गांधी से लेकर शरद पवार और उद्धव ठाकरे आ रहे हैं। वहीं, संघ भी माइक्रो लेवल पर तैयारी में जुटा है। जिले में 12 विधानसभा सीटें है, जिनमें से 8 पर बीजेपी के विधायक हैं, जबकि 3 कांग्रेस और एक सीट पर एनसीपी (शरद गुट) का कब्जा है।

नागपुर दक्षिण-पश्चिम : यहां से डीसीएम देवेंद्र फडणवीस मैदान में हैं। वह यहीं से पहले भी जीते हैं। इस बार उनके सामने कांग्रेस के प्रफुल्ल गुडधे पाटील है। वह इस क्षेत्र से 3 बार नगरसेवक रहे हैं। 2014 में भी उन्होंने फडणवीस को चुनौती दी थी। कांग्रेस का कहना है कि इस बार फडणवीस की जीत का मार्जिन कम रहेगा। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को यहां से 35,000 मतों की बढ़त मिली थी।

नागपुर-दक्षिण : यहां से बीजेपी ने विधायक मोहन मते को उम्मीदवार बनाया है। उनके खिलाफ कांग्रेस ने गिरीश पांडव को दोबारा मौका दिया है। पिछले विधानसभा चुनाव में मते ने पांडव को करीब 4,000 वोट से हराया था।

नागपुर-पूर्व : बीजेपी ने कृष्णा खोपडे को चौथी बार उम्मीदवार बनाया है। हालांकि, उन पर ऐंटि इनकंबेंसी का खतरा मंडरा रहा है। उनके सामने शरद गुट के शहर अध्यक्ष दूनेश्वर पेठे हैं। पिछली बार वह निर्दलीय लड़े थे और करीब 8,000 वोट से हार गए थे। वहीं, अजित गुट की आभा पाण्डेय और कांग्रेस के पुरुषोत्तम हजारे पार्टियों से बगावत कर दी है। गडकरी को इसी सीट से 78,000 वोट की लीड मिली थी।

नागपुर-मध्य : इस बार से बीजेपी ने हलबा समाज के विकास कुंभारे का टिकट काट दिया है। इससे यह समाज नाराज है। इसीलिए, समाज के रमेश पुणेकर निर्दलीय उतर गए हैं। बीजेपी ने फडणवीस के करीबी प्रवीण दटके को मौका दिया है, जिनका विरोध हो रहा है। कांग्रेस ने बंटी शिल्के को उतारा है। सीट पर कुल 11 प्रत्याशी हैं। यह वही सीट है, जहां संघ का मुख्यालय है। विपक्ष यहां पूरा जोर लगा रहा है।

नागपुर-उत्तर : यहां से कांग्रेस ने विधायक नितिन राउत को एक बार फिर मौका दिया है। वहीं, बीजेपी ने डॉ. मिलिंद माने को मैदान में उतारा है। 2014 के चुनाव में डॉ. माने ने नितिन राउत को हराया था, लेकिन 2019 में राउत से हार गए।

नागपुर-पश्चिम : कांग्रेस ने यहां विकास ठाकरे को फिर से उतारा है। उनके सामने बीजेपी के सुधाकर कोहले हैं। कोहले 2014 में नागपुर-दक्षिण से विधायक थे। 2019 में उनका टिकट काटकर मोहन मते को दिया गया। तब से वह हाशिये पर चले गए। नामांकन से ऐन पहले उन्हें उम्मीदवारी दी गई। यहां से कांग्रेस के नरेंद्र जिचकर बागी बन गए हैं। जिचकर और ठाकरे कट्टर राजनीतिक दुश्मन हैं। तीनों उम्मीदवार कुनबी समाज से हैं। हालांकि, यहां बीजेपी के उत्तर भारतीय उम्मीदवार मांगा गया था, क्योंकि यहां इनकी खासी संख्या है। पिछले 10 साल में नागपुर में बहुत काम हुआ है। एम्स अस्पताल, कैंसर इंस्टिट्यूट, लॉ यूनिवर्सिटी, ट्रिपल आईटी, आईआईएम, समृद्धि महामार्ग, मेट्रो, स्टेडियम, जैसे कई काम हुए। लोगों को रोजगार मिला, तो जनता हमें वोट क्यों नहीं देंगे?

हिंगणा : बीजेपी ने विधायक समीर मेघे को फिर से मौका दिया है। वहीं, शरद गुट ने रमेश बंग को उतारा है, जो पूर्व मंत्री हैं। हालांकि, मेघे को ज्यादा उम्मीद नजर आ रही है।

कामठी : बीजेपी से टेकचंद सावरकर का टिकट काटकर प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले खुद चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस से सुरेश भोयर हैं। पिछले चुनाव में भी भोयर ही थे।

उमरेड : राजू पारवे ने कांग्रेस से पिछला चुनाव जीता था, लेकिन लोकसभा में विधायक पद और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया। शिंदे सेना ने शामिल हो गए, तो सांसद कृपाल तुमाने का टिकट काटकर पारवे को लोकसभा में उतार दिया। हालांकि, वह चुनाव हार गए। इस सीट को लेकर बीजेपी और शिंदे सेना में अंतिम समय तक खींचतान चली। आखिर बीजेपी ने सुधीर पारवे को उम्मीदवार बना दिया।

रामटेक : निर्दलीय चुनाव जीतने वाले आशीष जायसवाल को इस बार शिंदे सेना ने मौका दिया है, वहीं उद्धव गुट से विशाल बरबटे मैदान में हैं। इस पर कांग्रेस शुरू से दावा कर रही थी, लेकिन नहीं मिली। इससे कांग्रेसी नेता व पूर्व मंत्री राजेंद्र मुलक निर्दलीय उतर गए। मुलक अब भी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हैं। कांग्रेस की ओर से यहां फ्रेंडली फाइट बताई जा रही है।

सावनेर : कांग्रेस के सुनील केदार पिछला चुनाव जीते थे, लेकिन अब की उनकी पत्नी अनुजा मैदान में हैं। बीजेपी ने आशीष देशमुख को उतारा है। आशीष के भाई अमोल देशमुख ने शरद गुट से टिकट मांगा था। उन्हें टिकट नहीं मिला, तो बगावती रुख अपनाते हुए निर्दलीय लड़ रहे हैं।

काटोल : विधायक अनिल देशमुख के बेटे सलिल को शरद गुट ने मौका दिया है। उनके सामने बीजेपी से चरण सिंह ठाकुर हैं। पिछले चुनाव में अनिल ने चरण को हराया था। वहीं, श्रीकांत जिचकर के बेटे याज्ञवल्क्य निर्दलीय मैदान में हैं।